संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 323
पृष्ठ 8
गुरूवार
13 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लौकी को देखकर टेढ़े-मेढ़े...
विचार- सत्ता जो फैसला लेने से बचती है
खेल- सार्थक रंजनः दिल्ली लीग में पप्पू यादव..

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा-

उपेक्षा से विकास की नई रफ्तार तक पहुंचा पूर्वी उत्तर प्रदेश

लखनऊ,संवाददाता। पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकास, बदलाव और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा के लिए एक निजी न्यूज चैनल ने गोरखपुर में डायमंड स्टेट्स समिट–बदलता पूर्वी उत्तर प्रदेश'का आयोजन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया और क्षेत्र में हो रहे बदलावों तथा सरकार के विकास मॉडल पर विस्तार से अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश ने उपेक्षा का एक लंबा दौर देखा है। बीमारी, बाढ़, बेरोजगारी और माफिया तंत्र जैसी चुनौतियों ने लंबे समय तक क्षेत्र के विकास को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों से पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकास की नई रफ्तार दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों में प्रतिभा की कभी कमी नहीं रही। रोजगार और अवसरों के अभाव में यहां से बड़े पैमाने पर पलायन हुआ, लेकिन अब युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार और स्वरोजगार के लिए बेहतर अवसर और प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव हुआ है। नए विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों, बेहतर स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर, मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग और आधुनिक आईटीआई के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि "आज का युवा बदलते हुए भारत का हिस्सा बनकर उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की क्षमता को पहचानकर उन्हें सही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को क्षेत्र से पलायन रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस की चुनौती का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमारी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है। उन्होंने गोरखपुर में ।प्प्डै और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेजों के विस्तार को स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बड़े बदलाव का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आज लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूसरे राज्यों की ओर जाने की जरूरत कम हुई है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय पूर्वी उत्तर प्रदेश की पहचान माफिया तंत्र के कारण भी होती थी। आज सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण कानून–व्यवस्था की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।उन्होंने कहा कि बेहतर कानून–व्यवस्था के कारण निवेश और रोजगार के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। "डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को माफिया मुक्त करने का काम किया है," मुख्यमंत्री ने कहा। मुख्यमंत्री ने सड़क, एक्सप्रेसवे और हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को क्षेत्र के विकास की बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी के कारण गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश निवेश, रोजगार और कारोबार के नए अवसरों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने गोरखपुर की एयर कनेक्टिविटी में हुए विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि अब क्षेत्र देश के प्रमुख शहरों से पहले की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से जुड़ा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या धाम का विकास केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इससे पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि आस्था और विकास का यह संगम उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज प्रदेश देश की टॉप–3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

पीएम मोदी का संदेश-

देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं युवा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया है। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारतीय के युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति भी बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा, हमारे युवा साथी देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। उन्होंने अपनी संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक भी एक्स पर पोस्ट किया, चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्। प्रसादयति यो लोकं तं लोकोऽनुप्रसीदति। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है– जो व्यक्ति अपनी दृष्टि, विचारों, वाणी और कर्मों के माध्यम से लोगों का हृदय जीत लेता है, वह ही उनके विश्वास, सम्मान और सद्भाव का पात्र बनता है। इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर लिखा गया था, अष्टौ गुणाः पुरुषं दीपयन्ति प्रज्ञा सुशीलत्वदमौ श्रुतं च। पराक्रमश्च बहुभाषिता च दानं यथाशक्ति कृतज्ञता च।। इस श्लोक का अर्थ है, श्ये आठ गुण मनुष्य के जीवन को प्रकाशमान करते हैं। बुद्धि उसके मार्ग को स्पष्ट करती है, सदाचार उसके आचरण को पवित्र बनाता है और संयम उसे अनुशासित रखता है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या वाले बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने श्सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2026श को मंजूरी दे दी है, जिससे सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। इसके साथ ही, भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट में

न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई है। इस संशोधन से मुख्य न्यायाधीश के अलावा सुप्रीम कोर्ट में 37 और न्यायाधीशों की नियुक्ति हो सकेगी। उम्मीद है कि इससे मामलों के बढ़ते बैकलॉग और संवैधानिक पीठों के गठन के कारण नियमित सुनवाई पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद मिलेगी। लोकसभा ने 3 अगस्त को इस बिल को मंजूरी दी। इसके बाद, राज्यसभा ने भी इसे पास कर दिया। राज्यसभा में बिल पर चर्चा के दौरान, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की पहल पर आगे बढ़ा। कानून मंत्री के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 11 मई को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट में जजों की मंजूर संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया था। चीफ जस्टिस ने अपने पत्र में बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामलों की बढ़ती संख्या के कारण रोजाना बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा करना जरूरी हो गया है। हालांकि, कॉन्स्टिट्यूशन बेंच (संविधान पीठ) के गठन से नियमित मामलों की सुनवाई पर असर पड़ता है, क्योंकि कॉन्स्टिट्यूशन बेंच में शामिल जजों को नियमित सुनवाई से अलग होना पड़ता है। उन्होंने हाल ही में बनी नौ–जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच का भी जिक्र किया, जो सबरीमाला मामले से जुड़े एक रेफरेंस पर सुनवाई कर रही है। ऐसे मामलों से नियमित मामलों की सुनवाई और निपटारे की रफ्तार पर असर पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया था। चीफ जस्टिस के पत्र के बाद, केंद्र सरकार ने 17 मई को एक अध्यादेश जारी किया था, जिससे सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

लोकसभा ने एफसीआरए संशोधन विधेयक जेपीसी को भेजा

नयी दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा ने विदेशी अनुदान विनियमन संशोधन विधेयक (एफसीआरए), 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचार के लिए भेजने का प्रस्ताव बुधवार को विपक्ष के विरोध के बीच पारित कर दिया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में विधेयक को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह विधेयक गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) तथा अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर लाया गया है जिसे संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने पूरी तरह गलत बताया और कहा कि विपक्षी सदस्यों को विधेयक जेपीसी को भेजे जाने का समर्थन करना चाहिए ताकि वहां इस पर व्यापक विचार विमर्श हो सके। विपक्षी सदस्यों के शोर–शराबे के बीच सदन ने प्रस्ताव को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। प्रस्ताव के अनुसार जेपीसी के लिए लोकसभा के 21 सदस्यों का नामांकन अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के 10 सदस्यों का नामांकन सभापति सी पी राधाकृष्णन द्वारा किया जाएगा।

यूएस में अदाणी के खिलाफ केस बंद होने पर राहुल का पीएम पर हमला

देश को चुकानी पड़ रही कीमत

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। यह हमला अमेरिकी संघीय अदालत की ओर से अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किए जाने के बाद किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक श्समझौता कर चुके प्रधानमंत्रीश को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि भारत को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अमेरिकी अदालत के उस फैसले से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। रिपोर्ट में बताया गया था कि अमेरिकी न्याय विभाग के गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आरोप खारिज करने के अनुरोध को अदालत ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, इसमें जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, श्एक समझौता कर चुके प्रधानमंत्री को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। भारत इसकी बहुत बड़ी कीमत चुका रहा है। अमेरिकी संघीय अदालत के जज ने हाल ही में गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से रद्द कर दिया है। इससे बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक काम करने वाले अदाणी समूह पर करीब दो साल से बना कानूनी दबाव खत्म हो गया। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के जज निकोलस गाराउफिस ने अमेरिकी न्याय विभाग के आरोप रद्द करने के अनुरोध को मंजूरी दी। अदाणी ने अमेरिकी अदालत के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वह इसे श्विनम्रताश और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति श्गहरे सम्मानश के साथ स्वीकार करते हैं।

10 अगस्त को जज गाराउफिस ने 47 पन्नों का आदेश जारी किया। इसमें उन्होंने अमेरिकी न्याय विभाग के आरोप खारिज करने के अनुरोध को मंजूरी दी। यह मांग गौतम अदाणी, सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनीत जैन से जुड़े मामले में की गई थी।

इनके खिलाफ तीन आरोप खारिज किए गए। इनमें प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोप भी शामिल थे। इन आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किया गया है। यानी इन्हीं आरोपों को दोबारा दर्ज नहीं किया जा सकता।

जज गाराउफिस ने मामले में दो आरोपों पर अभी फैसला नहीं दिया है। पहली धारा में विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के उल्लंघन का आरोप है। पांचवीं धारा में न्याय में बाधा डालने की साजिश का आरोप है। ये दोनों आरोप भारत में रहने वाले पांच सह–आरोपियों से जुड़े हैं। ये आरोपी अब तक अदालत में पेश नहीं हुए हैं। इनमें रंजीत गुप्ता, सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल शामिल हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग को अदालत की शर्तें पूरी करने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया गया है।

चर्चा के दौरान उठाये गये विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने को तैयार हूँ : अमित शाह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि विपक्ष चर्चा के लिए तैयार हो तो वह सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। श्री शाह ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ष्विपक्ष लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखकर दे कि वह चर्चा के लिए तैयार है। वह आज अपराह्न तीन बजे से लेकर गुरुवार शाम तीन बजे तक चर्चा के दौरान उठाये गये विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा, ष्वह भी चर्चा करूंगा कि आपको चर्चा क्यों नहीं चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार हर चीज पर चर्चा के लिए

तैयार है, संसद वे चलने नहीं देते हैं। उन्होंने कहा, ष्विपक्ष संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही चलने ही नहीं दे रहा है, तो वहां जाकर क्या होगा? मैं किसी भी सवाल का जवाब संसद में देने के लिए तैयार हूं। श्री शाह ने कहा, ष्आज तीन बजे से चर्चा शुरू हो जाएगी, कल दोपहर तीन बजे मैं जवाब दे दूंगा। मैं खुद चर्चा में बैठूंगा। अब विपक्ष को तय करना है कि उन्हें चर्चा करनी है, या हंगामा करना है। सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। यह भी चर्चा करूंगा कि आपने सदन क्यों नहीं चलने दिया। गृह मंत्री ने कहा, ष्विपक्ष तो यही मांग कर रहा है, हमने श्हांश बोल दिया। मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। मगर वे चर्चा ही नहीं होने देना चाहते। अब जनता तय करे कौन भाग रहा है? आज भी मैं कहता हूं। मैं सदन में ही बैठूंगा, सबको सुनूंगा और सब चीजों का जवाब दूंगा। गौरतलब है कि विपक्ष राजधानी में 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए संसद में हंगामा और शोरगुल कर रहा है, जिससे कार्यवाही निरंतर बाधित हो रही है। कल मानसून सत्र का अंतिम दिन है।

संसद में जवाब देने से बच रही सरकार : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि सरकार संसद में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर रही है। सरकार इसे राज्य का विषय बता रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राम मंदिर से राजनीतिक लाभ लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी। संसद में मानसून सत्र खत्म होने के करीब होने के बावजूद जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा, यह दिखाता है कि सरकार लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी महसूस नहीं करती। संसद ही वह जगह है, जहां उसे सवालों के जवाब देने होते हैं और बयान देना होता है। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए थे। देश के युवा सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर उतरे थे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाई गईं, आंसू गैस छोड़ी गई और पैलेट गन से गोली चलाई गई। प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में प्रदर्शनकारियों पर एके–47 का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने पूछा कि सरकार को यह लगता ही नहीं कि उसे इसका जवाब देना चाहिए। सरकार यह बताने के लिए भी बयान नहीं देना चाहती कि ऐसा कैसे हुआ और इसका आदेश किसने दिया।

कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दीपके का बड़ा ऐलान

जंतर-मंतर का सीजन 2 बहुत जल्द आने वाला है

नई दिल्ली,एजेंसी। छात्रों के आंदोलन के जरिए धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने पर मजबूर करने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने दिल्ली में बुधवार को कहा कि जंतर–मंतर का सीजन–2 बहुत जल्द आने वाला है। अभिजीत दीपके ने कहा, बहुत सारे लोग इंस्टाग्राम पर कमेंट कर रहे थे कि जंतर–मंतर का सीजन 2 कब आने वाला है। उन लोगों को मैं बताना चाहता हूं कि जंतर–मंतर का सीजन 2 बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है। सीजेआई सूर्यकांत के कमेंट के बाद अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी का गठन किया था। सीजेपी का कहना है कि वह प्रेशर ग्रुप की तरह काम करेगी और सीधे पॉलिटिकल पार्टी नहीं बनाएगी। पिछले दिनों जंतर–मंतर समेत देशभर के विभिन्न इलाकों में सीजेपी की अगुवाई में छात्र आंदोलन हुआ था। नीट पेपर लीक मामले में हुए इस आंदोलन ने बड़ा रूप ले लिया और महीनेभर तक बड़ी संख्या में छात्र इसमें शामिल हुए। संसद तक मार्च भी हुआ, जिससे यह आंदोलन और बड़ा हो गया। बाद में छात्रों के प्रदर्शन और दबाव के चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

इससे पहले, बुधवार को ही दीपके ने महाराष्ट्र के एक स्कूल में हुए हादसे को लेकर निशाना साधा था।

उन्होंने एक्स पर लिखा था कि महाराष्ट्र के सोलापुर में स्कूल का स्लैब गिरने से 13 स्टूडेंट्स घायल हो गए। यह उन स्कूलों की हालत है जहां जरूरतमंद बच्चे पढ़ते हैं। आप ऐसा उन स्कूलों में नहीं देखेंगे जहां नेताओं के बच्चे पढ़ते हैं।

चौथी संतान के लिए मातृत्व अवकाश नहीं, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला सरकारी कर्मचारी की पहले से दो या अधिक जीवित संतानें हैं तो उसे चौथी संतान के लिए मातृत्व अवकाश का लाभ नहीं दिया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला सरकारी कर्मचारी की पहले से दो या अधिक जीवित संतानें हैं तो उसे चौथी संतान के लिए मातृत्व अवकाश का लाभ नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कर्मचारी ने

पिछली संतानों के जन्म पर मातृत्व अवकाश लिया हो या नहीं, इससे पात्रता के नियम में कोई बदलाव नहीं होता।

यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने दिया है। शशि कुमारी ने चौथी संतान के लिए मातृत्व अवकाश का आवेदन किया था। 19 जून 2026 के आदेश से उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया। इसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि पहली तीन संतानों के जन्म पर उन्होंने मातृत्व अवकाश नहीं लिया था। चौथी संतान के लिए वह पहली बार इस सुविधा का लाभ मांग रही हैं। राज्य सरकार ने इसका विरोध किया। कहा कि नियमों के तहत प्रसूति अवकाश 180 दिन का है, लेकिन दो या अधिक जीवित संतान होने पर यह अवकाश स्वीकृत नहीं किया जा सकता।

एसआरएन अस्पताल में वार्ड ब्वॉय, नर्स और फार्मासिस्ट ने ठप किया कामकाज, हड़ताल से मरीज परेशान

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल में तृतीय श्रेणी आउट सोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन विसंगति को लेकर काम काज किया ठप कर दिया। इससे मरीजों और तीमारदारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल में तृतीय श्रेणी आउट सोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन विसंगति को लेकर काम काज किया ठप कर दिया। इससे मरीजों और तीमारदारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दो घंटे से अधिक समय तक रजिस्ट्रेशन काउंटर बंद होने से मरीज बेहाल हो गए। हड़ताली कर्मचारियों ने अस्पताल के भीतर जमकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि चार माह से उनका वेतन नहीं दिया जा रहा है। इसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई। नर्स, फार्मासिस्ट, ओटी टेक्नीशियन, लैब टैक्निशिनय और लिपिक को चार महीने से वेतन नहीं मिल रहा है।

शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हड़ताल की जानकारी होने पर अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एके वर्मा ने हड़ताली कर्मचारियों को वार्ता के लिए बुलाया है। उधर, अस्पताल में हड़ताल के चलते सारे कामकाज ठप हो गए। भर्ती मरीजों के साथ ही उपचार कराने आने वाले मरीजों को घंटों इतजार करने पड़ा।

1942 के आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। देश की आजादी के लिए महात्मा गांधी की ओर से 6 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन में प्रयागराज जनपद में सैदाबाद के चार नौजवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर अहम योगदान दिया। उनकी शहादत को याद करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी समिति के संयोजक महेश त्रिपाठी की अगुवाई में शहीद स्थल पर उन्हें याद किया गया। उन्होंने कहा कि 11 अगस्त 1942 को अंग्रेज हुक्मरान प्रयागराज से कोलकाता की ओर जा रहे थे। जिसकी सूचना मिलने पर देश की आजादी के सैकड़ो दीवाने सैदाबाद में स्थित एक पुलिया को तोड़ने लगे। जिससे नाराज अंग्रेजी हुक्मरान ने गोलियां चलवा दी। जिसमें चंद्रमा प्रसाद शुक्ला, स्वयंवर पटेल, दयाल हरिजन और सुबोध यादव की मौके पर ही मौत हो गई। उन वीर शहीदों के नाम पर इस स्थान पर शहीद स्मारक का निर्माण कराया गया। जो उपेक्षा का शिकार हो गया है और अभी तक पूरा नहीं हो सका। इस दौरान ओमप्रकाश, लवकुश मिश्र, राजीव मिश्र, संतोष मिश्र, उपेंद्र द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

एमएलसी मतदाता सूची में लोगों से जुड़ने की अपील की

प्रयागराज। विधान परिषद के पूर्व एमएलसी सुरेश कुमार त्रिपाठी ने युवाओं, अधिवक्ताओं और शिक्षकों से सीधे संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को निर्वाचक नामावली में जुड़ने की अपील की गई। ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के सभागार में इलाहाबाद झांसी खंड स्नातक क्षेत्र विधान परिषद के पूर्व एमएलसी सुरेश कुमार त्रिपाठी ने क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों युवाओं, अधिवक्ताओं, शिक्षक और समाज सेवकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर लोगों से उनकी समस्याएं और आज की राजनीतिक परिवेश पर मंथन किया गया। सुरेश कुमार त्रिपाठी ने बारा तहसील के समस्त प्रबुद्ध जनों से एमएलसी मतदाता सूची के नामावली में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम का संचालन चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र सिंह, लालमणि पांडे, कन्हैयालाल मिश्र, दिनेश त्रिपाठी, चंद्रशेखर पांडे आदि मौजूद रहे।

पीडीए वैश्य व्यापारी सम्मेलन की तैयारियों पर मंथन

प्रयागराज। सपा के प्रदेश सचिव अरविंद केसरवानी की अध्यक्षता में मंगलवार को रुदापुर गांव में बैठक हुई। इसमें 18 अगस्त को सहसों बाईपास स्थित गेस्ट हाउस परिसर में होने वाले पीडीए वैश्य व्यापारी सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई। सम्मेलन में अधिक से अधिक व्यापारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जनसंपर्क अभियान की रणनीति बनाई गई।

प्रदेश सचिव अरविंद केसरवानी ने बताया कि मुख्य अतिथि समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल होंगे। क्षेत्र में जनसंपर्क और बैठकें आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से व्यापारी समाज के अधिक से अधिक लोगों से संपर्क कर उन्हें सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की अपील की। बैठक में व्यापारी नेता संजय जायसवाल, राजा बाबू, विकास गुप्ता, राधेश्याम, पंकज सिंह और राम निरंजन समेत अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं के 10वीं व 12वीं के अंक प्रमाणपत्र भी निकले फर्जी, 99 पर दर्ज हो चुकी है एफआईआर

प्रयागराज। फर्जी डिग्री के सहारे वकालत का खेल अब पुलिस की कार्रवाई के घेरे में है। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र लगाकर पंजीकरण कराने वाले अधिवक्ताओं के खिलाफ सिविल लाइंस पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इसी क्रम में एक और अधिवक्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के साथ फर्जी डिग्री से वकालत करने के मामलों की संख्या बढ़कर 99 पहुंच गई है।

फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में पंजीकरण कराकर वकालत करने के आरोप में सिविल लाइंस पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। फर्जी डिग्री से वकालत करने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी की संख्या बढ़कर 99 हो गई है। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सचिव की ओर से सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोप है कि अल्लापुर के रहने वाले एक अधिवक्ता ने 1991 की एलएलबी की डिग्री के अंकपत्र को सर्टिफिकेट ऑफ प्रेक्टिस (सीओपी) आवेदन पत्र के साथ लगाया था।

सत्यापन के लिए अंकपत्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय भेजा गया। विवि की ओर से जांच के बाद अंकपत्र की छायाप्रति को गलत और असत्य बताया गया। बार कौंसिल ने बताया कि संबंधित अधिवक्ता को सत्यापन समिति के संयोजक की ओर से 15 जनवरी 2025 को नोटिस भी भेजा गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मो.कफील बनाम स्टेट ऑफ यूपी व अन्य मामले

में पारित आदेश में बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में पंजीकृत ऐसे अधिवक्ताओं के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया था, जिनकी शैक्षिक डिग्री बार कौंसिल ऑफ इंडिया के सर्टिफिकेट एंड प्लेस ऑफ प्रैक्टिस (वेरिफिकेशन) नियम, 2015 के तहत सत्यापन में फर्जी मिली है।

इसी आदेश के बाद सिविल लाइंस पुलिस की ओर से बार कौंसिल से प्राप्त शिकायतों के आधार पर लगातार एफआईआर दर्ज की जा रही है। जांच में पता चला कि अधिवक्ता प्रयागराज के अलावा, वाराणसी, कानपुर, लखनऊ, गाजियाबाद, मथुरा, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर समेत अन्य शहरों के रहने वाले हैं। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि बार कौंसिल की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे रिकॉर्ड और सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

दस्तावेज की जांच में जिन अधिवक्ताओं की शैक्षिक डिग्री या अंकपत्र फर्जी पाए गए हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

30 से ज्यादा कॉलेजों व विश्वविद्यालयों से फिर होगा सत्यापन

30 से ज्यादा कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से डिग्री और अंकपत्रों का सत्यापन कराया जा सकता है। सत्यापन में यह देखा जाएगा कि संबंधित अधिवक्ताओं के नाम से वास्तव में उस संस्थान में दाखिला हुआ था या नहीं। मामले में 100 से अधिक अधिवक्ताओं पर एफआईआर होने की संभावना है।

संगठित गिरोह की सामने आ सकती है भूमिका

जांच में सामने आया है कि कुछ अधिवक्ताओं ने बार कौंसिल में पंजीकरण और सीओपी के लिए जो शैक्षिक दस्तावेज लगाए, उनमें सिर्फ स्नातक स्तर की डिग्री ही संदिग्ध नहीं मिली, बल्कि 10वीं और 12वीं के प्रमाणपत्र और अंकपत्र को लेकर भी सवाल उठे हैं।

संबंधित दस्तावेज का सत्यापन कराने पर रिकॉर्ड में उनका मिलान नहीं हो सका। बार कौंसिल अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि अधिवक्ताओं ने अलग–अलग स्तर की फर्जी शैक्षिक डिग्रियां और अंकपत्र कहां से हासिल किए। इसमें किसी संगठित गिरोह की भूमिका सामने आ सकती है।

ड्रग इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए अनुभव की अनिवार्यता खत्म, फार्मेसी डिग्री पर ही मिलेगी नौकरी

प्रयागराज। ड्रग इंस्पेक्टर बनने का सपना देख रहे फार्मेसी डिग्रीधारकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में भर्ती के लिए अतिरिक्त अनुभव की अनिवार्यता को रद्द कर दिया है। अब फार्मेसी या फार्मास्युटिकल साइंस की निर्धारित डिग्री ही भर्ती की शैक्षिक योग्यता के तौर पर पर्याप्त होगी। प्रदेश में औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) की नौकरी के लिए फार्मेसी या फार्मास्युटिकल साइंस की डिग्री ही काफी होगी। प्रदेश सरकार की ओर से 2015 में सेवा नियमावली संशोधन के जरिये थोपी गई अतिरिक्त अनुभव की अनिवार्यता वाली शर्त रद्द कर दी गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केंद्रीय कानून के तहत निर्धारित शैक्षिक योग्यता के अस्तित्व में रहते प्रदेश सरकार अभ्यर्थियों पर अतिरिक्त योग्यता की शर्त नहीं थोप सकती। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा, न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने प्रयागराज के अमित

कुमार सिंह व 10 अन्य और कृपा शंकर सिंह व 26 अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिया है।

याचियों ने उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के राजपत्रित अधिकारियों की सेवा नियमावली में 2015 में किए गए संशोधन को चुनौती दी थी। ड्रग इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए केंद्र सरकार ने पहले से योग्यता तय कर रखी है। इसके तहत फार्मेसी या फार्मास्युटिकल साइंस की डिग्री को जरूरी माना गया है। वहीं, प्रदेश सरकार ने 2015 में भर्ती नियमों में बदलाव करते हुए डिग्री संग अनुभव की शर्त भी जोड़ दी थी।

इस नियम के तहत अभ्यर्थी के पास संबंधित दवाओं के निर्माण या उनकी जांच का कम से कम 18 महीने का अनुभव होना जरूरी था। इसके अलावा दवा बनाने वाली कंपनियों के निरीक्षण का तीन साल का अनुभव भी मान्य था। यानी केवल निर्धारित डिग्री होने के बावजूद बिना अनुभव वाला अभ्यर्थी ड्रग इंस्पेक्टर की भर्ती में पात्र नहीं माना जाता था।

इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दलील दी कि केंद्र सरकार की ओर से 11 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में ड्रग इंस्पेक्टर पद के लिए निर्धारित योग्यता में अनुभव की कोई शर्त नहीं रखी गई है। इसके बावजूद प्रदेश के संशोधित नियम में भर्ती के लिए अतिरिक्त अनुभव की शर्त जोड़ दी गई। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट फैसले का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के राजपत्रित अधिकारियों की सेवा नियमावली में 2015 में किए गए संशोधन को रद्द कर दिया।

टीजीटी 2022 अंग्रेजी विषय के शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों ने उठाई परिणाम जारी करने की मांग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में बुधवार को टीजीटी 2022 अंग्रेजी विषय के शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों ने आयोग के उप सचिव श्री नंदलाल चौरसिया जी से मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने 16 जुलाई को कराए गए दस्तावेज सत्यापन के बाद लंबित परिणाम को शीघ्र जारी करने की मांग रखी।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में बुधवार को टीजीटी 2022 अंग्रेजी विषय के शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों ने आयोग के उप सचिव श्री नंदलाल चौरसिया जी से मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने 16 जुलाई को कराए गए दस्तावेज सत्यापन के बाद लंबित परिणाम को शीघ्र जारी करने की मांग रखी। अभ्यर्थियों का कहना है कि दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद परिणाम जारी न होने के कारण चयनित होने की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों में असमंजस और मानसिक दबाव की स्थिति बनी हुई है।

अभ्यर्थियों ने आयोग से मांग की कि टीजीटी 2022 अंग्रेजी विषय का परिणाम शीघ्र जारी किया जाए तथा माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित प्रकरण की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, माननीय न्यायालय के अधीन/अंतिम आदेश के अधीन परिणाम जारी करने की आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाए। अभ्यर्थियों ने आयोग के अधिकारियों से अनुरोध किया कि इस संबंध में आयोग अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए परिणाम जारी करने की समयसीमा के बारे में अभ्यर्थियों को जानकारी उपलब्ध कराए।

अभ्यर्थियों ने कहा कि वे आयोग की प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करने के लिए तैयार हैं और उनकी एकमात्र मांग है कि 'टीजीटी 2022 अंग्रेजी विषय का परिणाम जल्द से जल्द जारी कर अभ्यर्थियों को राहत प्रदान की जाए। प्रतियोगी छात्र दिनेश यादव जगजीत सिंह, अरविंद मौर्या, अर्चना राठी, वर्षा सिंह, शालू पाठक, राकेश यादव, राकेश तोमर, नेहा, अंशु यादव सहित 50 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

निजी विवाद को सेवा कदाचार नहीं मान सकते, बर्खास्तगी के खिलाफ दायर एसबीआई की विशेष अपील खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कर्मचारी के निजी जीवन से जुड़े विवाद को महज इस आधार पर सेवा संबंधी कदाचार नहीं माना जा सकता कि घटना कार्यस्थल पर हुई है। कथित कृत्य और कर्मचारी की नौकरी के बीच वास्तविक, ठोस व निकट संबंध का होना जरूरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कर्मचारी के निजी जीवन से जुड़े विवाद को महज इस आधार पर सेवा संबंधी कदाचार नहीं माना जा सकता कि घटना कार्यस्थल पर हुई है। कथित कृत्य और कर्मचारी की

नौकरी के बीच वास्तविक, ठोस व निकट संबंध का होना जरूरी है। इस आधार पर कोर्ट ने कर्मचारी विजयानंद राय की बर्खास्तगी के मामले में आरबीआई की विशेष अपील खारिज कर एकल पीठ के फैसले को बरकरार रखा। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह व न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने दिया है। कानपुर नगर में आरबीआई कार्यालय में विजयानंद तृतीय श्रेणी कर्मचारी थे। 13 मई 2003 को एक महिला उनसे मिलने आई। आरोप था कि विजयानंद ने महिला को थप्पड़ मारा और उसे कार्यालय से बाहर कर दिया। इसके बाद वह भी वरिष्ठ अधिकारियों से बिना अनुमति व सूचना के कार्यालय से चले गए।

आरबीआई ने मामले में सेवा नियमों के तहत कदाचार मानते हुए बर्खास्त कर दिया तो उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकल पीठ ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिया। इसके बाद आरबीआई ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में विशेष अपील दायर की। खंडपीठ ने पाया कि महिला न तो आरबीआई की कर्मचारी थी और न ही वह किसी आधिकारिक काम से बैंक आई थी। वह विजयानंद से मिलने के लिए कार्यालय आई थी। कोर्ट ने रिकॉर्ड में मौजूद परिस्थितियों को देखते हुए यह संभावना स्वीकार की कि दोनों के बीच निजी विवाद था, जो बाद में परिवार न्यायालय तक पहुंचा। कोर्ट ने कहा कि विजयानंद पहले ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसलिए ने सक्षम प्राधिकारी को बर्खास्तगी से सेवानिवृत्ति तक की अवधि के बकाया वेतन के दावे पर तीन महीने के भीतर फैसला करने और कानून के अनुसार परिणामी सेवानिवृत्त लाभों पर विचार करने का निर्देश दिया।

सात साल से कम सजा वाला लंबित मुकदमा चरित्र प्रमाणपत्र रोकने का आधार नहीं, जिलाधिकारी का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सात साल से कम सजा वाले किसी लंबित आपराधिक मुकदमे को महज आधार बनाकर चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने से इनकार नहीं

किया जा सकता। कोर्ट ने झांसी के जिलाधिकारी के आदेश को रद्द करते हुए याची को दो सप्ताह में चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोप पत्र दाखिल होने के बाद भी सात साल से कम सजा वाले मुकदमे के लंबित होने के आधार पर चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने से इन्कार नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा, न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने झांसी के डीएम का आदेश रद्द कर दिया। साथ ही याची राम सरन साहू का चरित्र प्रमाणपत्र दो हफ्ते में जारी करने का आदेश दिया है। याची ने चरित्र प्रमाणपत्र जारी कराने का आवेदन डीएम कार्यालय में दाखिल किया था। डीएम ने आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया कि याची के खिलाफ एक आपराधिक मुकदमा ट्रायल कोर्ट में लंबित है। उसमें आरोप पत्र भी दाखिल हो चुका है। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता ने प्रदेश सरकार के नौ अप्रैल 2026 को शासनादेश व हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला दिया। दलील दी कि याची के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमे में भले ही आरोप पत्र दाखिल हो चुका है, लेकिन संबंधित अपराधों में अधिकतम सजा सात साल से कम है। चरित्र प्रमाणपत्र जारी नहीं करना अवैधानिक है।

मेडिकल रिपोर्ट में चोट का न मिलना भी मामले को बनाता है संदिग्ध, दुष्कर्म का आरोपी बरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म मामले में पीड़िता और अन्य गवाहों के बयानों में विरोधाभास हैं। मेडिकल रिपोर्ट में भी पीड़िता के शरीर पर किसी चोट का निशान नहीं मिला, जबकि बयान में घटना के दौरान मारपीट की बात कही थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म मामले में पीड़िता और अन्य गवाहों के बयानों में विरोधाभास हैं। मेडिकल रिपोर्ट में भी पीड़िता के शरीर पर किसी चोट का निशान नहीं मिला, जबकि बयान में घटना के दौरान मारपीट की बात कही थी। ऐसे में चोट का न मिलना मामले को संदिग्ध बनाता है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकल पीठ ने जालौन निवासी याची मेहंदी हसन को दुष्कर्म मामले में संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। याची ने ट्रायल कोर्ट से मिली सात साल की सश्रम कारावास की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कुठौंद थाने में पीड़िता ने आठ अक्तूबर 1984 को दुष्कर्म के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि मेहंदी हसन ने उसके साथ मारपीट करने के बाद दुष्कर्म किया। कोर्ट ने पाया कि घटना के करीब 13 दिन बाद पीड़िता की मेडिकल जांच हुई, जिसमें उसके शरीर पर कोई चोट नहीं मिली। मेडिकल जांच करने वाली डॉक्टर को भी अदालत में गवाही के लिए पेश नहीं किया गया था। गवाहों के बयानों में भी असंगतियां थीं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। कहा कि पीड़िता की गवाही के आधार पर दोषसिद्धि की जा सकती है, लेकिन गवाही की विश्वसनीयता की कड़ी जांच जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि बयान में महत्वपूर्ण खामियां–विरोधाभास हों और उनसे अभियोजन के मामले पर संदेह पैदा हो तो अदालत अन्य साक्ष्यों और परिस्थितियों से पुष्टि पर विचार कर सकती है।

संक्षिप्त

तिरंगा यात्रा में दिखा देशभक्ति का जज्बा, बीएलएस इंटर कॉलेज से निकली भव्य यात्रा

लखनऊ (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को बीएलएस इंटर कॉलेज, ठाकुरगंज से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया। तिरंगा यात्रा ठाकुरगंज चौराहा होते हुए घास मंडी चौराहे तक पहुंची और पुनः विद्यालय परिसर में पहुंचकर भव्य रूप से संपन्न हुई। यात्रा में मुख्य अतिथि डॉ. नीरज बोरा के साथ विवेक सिंह तोमर, पूर्व नगर महामंत्री राम अवतार कन्नौजिया, पार्षद सी.बी. सिंह, पार्षद अनुराग मिश्रा, मंडल अध्यक्ष दया पांडे एवं मंडल महामंत्री सतीश शर्मा,दुर्गेश पांडेय सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के गीतों और नारों के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। फलक ने भारत माता, अलीशा इस्लाम ने सरोजिनी नायडू, जिक्रा ने रानी लक्ष्मीबाई, असीम ने महात्मा गांधी और साहिल खान ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का रूप धारण कर देशभक्ति का संदेश दिया। विद्यालय के शिक्षकों एवं वॉलिंटियर्स ने अनुशासन और व्यवस्थित ढंग से यात्रा को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सैकड़ों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से पूरा मार्ग देशभक्ति के नारों और तिरंगे की छटा से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजर संदीप साहू,निर्देशक प्रदीप साहू, प्रधानाचार्य रवि किशोर गौतम, वाइस प्रिंसिपल रोमा जाफरी एवं उमा शर्मा सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक–शिक्षिकाएं मौजूद रहे। विद्यार्थियों के उत्साह और राष्ट्रभक्ति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

जनता मार्केट ,गोमती नगर के व्यापारी बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल से जुड़े

लखनऊ (संवाददाता)। बुधवार को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जनता मार्केट मलिक टिंबर चौराहा ,गोमती नगर के व्यापारियों ने अपनी समस्याओं के समाध ाान के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल से जुड़ने का निर्णय लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता की उपस्थिति में 85 व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी व्यापारियों को संगठन से जुड़ने के लिए बधाई दी तथा उन्होंने इस अवसर पर बोलते हुए उपस्थित सभी व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए कंधे से कंधा मिलाकर हर स्तर पर सहयोग करेगा तथा व्यापारियों के मान सम्मान एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल का प्रत्येक पदाधिकारी दृ ढ़ संकल्पित है उन्होंने कहा व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं है साथ ही उन्होंने सभी व्यापारियों से एकजुट रहकर सकारात्मक सोच के साथ संगठन को मजबूत करने का आवाहन किया उन्होंने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा व्यापारी ना स्वयं गलत करें ना गलत बर्दाश्त करें प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की जनता मार्केट, गोमती नगर इकाई की 14 सदस्यीय प्रभारी कमेटी का गठन किया गया। प्रभारी कमेटी में वरिष्ठ व्यापारी रमेश सिंह, सत्यनारायण तिवारी, सुशील कुमार सोनी, अनुज कुमार वर्मा ,नरेंद्र उमराव, रवि चंद्रा ,शकील खान, मोहम्मद अफजल, पुष्पेंद्र उमराव, मो.सैफ, शंकरी लाल, अंकुर गुप्ता, पुष्पेन्द्र ,रमाशंकर सिंह चुने गए। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री शशिकांत शर्मा, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी ,वरिष्ठ व्यापारी नेता वेद प्रकाश विश्वकर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

नगर निगम से निकली तिरंगा यात्रा हर घर तिरंगा अभियान की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में स्वतंत्रता दिवस से पहले बुधवार सुबह सुबह तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ नगर आयुक्त गौरव कुमार, पार्षद, नगर निगम के अधिकारी, हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। भारत माता की जय, वंदेमातरम, हिंदुस्तान जिंदाबाद नारों के बीच यात्रा नगर निगम मुख्यालय से जीपीओ गांधी प्रतिमा तक गई। इस यात्रा में हर घर तिरंगा अभियान को बढ़ावा दिया गया। माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर नजर आया। महापौर ने सभी लोगों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को जन–जन तक पहुंचाने का अभियान है। महापौर ने कहा जब हम हाथों में तिरंगा लेकर चलते हैं तो आत्मविश्वास बढ़ जाता है साथ ही जिम्मेदारी का अनुभव होता है। युवा पीढ़ी से कहना चाहते हैं कि इस अभियान को और ज्यादा सफल बनाएं। अपने सोशल मीडिया पर यात्रा की तस्वीरें शेयर करें। शहर के सभी तिरंगा यात्राओं में बाढ़–चलकर हिस्सा लें। यह राष्ट्रीय पर्व है जो धर्म–जाति और पार्टी से ऊपर उठकर है। सुषमा खर्कवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2022 में हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया था। उनकी अपील पर देशभर में लोग उत्साह के साथ अपने घरों पर तिरंगा फहरा रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता भी प्रत्येक परिवार को इस अभियान से जोड़ने के लिए पूरी ताकत से जुटे हैं। लगातार चौथे साल हम इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस अभियान को व्यापक बनाने में अहम योगदान दिया साथ ही आम जनता का भी भरपूर समर्थन मिला।

पीएसी स्टेट बैंड ने स्वतंत्रता दिवस से पहले सुनाई देशभक्ति धुन

लखनऊ (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस से पहले राजधानी लखनऊ के दो प्रमुख पार्कों में देशभक्ति की धुनें गूंजी। उत्तर प्रदेश पीएसी स्टेट बैंड ने जनेश्वर मिश्र पार्क और डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क में शानदार प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम पुलिस महानिदेशक पीएसी उत्तर प्रदेश, आलोक सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और कर्तव्य के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना हैं। स्टेट बैंड की मधुर धुनों ने पार्कों में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। देशभक्ति से ओत–प्रोत इन प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने उत्साह के साथ सुना और कलाकारों की सराहना की। इस दौरान पार्कों का माहौल पूरी तरह देशभक्तिमय हो गया। 35वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक अमित कुमार ने बताया कि इस आयोजन का लक्ष्य लोगों को देश की आजादी के लिए दिए गए बलिदानों की याद दिलाना हैं।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में आज राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस–2026 के अवसर पर मुख्यालय द्वारा मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में आई.आई.टी., मुम्बई के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नबी हसन मुख्य अतिथि तथा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नबी हसन ने पुस्तकालयों को ज्ञान के मन्दिर रूपी विश्वविद्यालयों का गर्भगृह बताया। आज के युग को कृत्रिम मेधा का युग बताते हुए उन्होंने इस विधा का उपयोग अत्यधिक सन्तुलित एवं सावधानीपूर्वक करने को प्रेरित किया। उनके अनुसार आज के युग में पुस्तकालयों की भूमिका सार्वभौमिक हो गई है। पुस्तकालयों के मध्य एम.ओ.यू. की प्रक्रिया को उन्होंने ज्ञान को बाँटने की प्रक्रिया बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने छात्रों के जीवन में पुस्तकालयों की भूमिका को अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया एवं पुस्तकालयों की उपलब्धता को शोधरत् छात्रों हेतु वरदान सदृश बताया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने डॉ. रंगनाथन जी के पुस्तकालय हेतु दिये गये उनके योगदान का स्मरण किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों के पुस्तकालयों के नेटवर्क को विकसित करने में कें.सं.वि. के द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने इसे और अत्यधिक विस्तृत करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष की थीम द“स्पइतंतपमेरू ब्वददमबजपदह च्मवचसम, त्तमेमतअपदह ज्ञदवूसमकहम, म्उचवूमतपदह जीम थ्नजनतम अर्थात् पुस्तकालयरू लोगों को जोड़ना, ज्ञान को संरक्षित करना, भविष्य को सशक्त बनाना” की सार्थकता का उन्होंने विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय नेटवर्क, जो पहले से ही डिजिटाइजेशन, पांडुलिपि संरक्षण और शोध–समर्थन में सक्रिय है, स्वाभाविक रूप से ऐसे राष्ट्रीय अभियानों में भाग लेने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और डिजिटल एंडोर्समेंट बैज जैसे पहलुओं से जुड़ने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

परिसरीय सभागार में भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन जी के 134वीं जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय परमहंस की अध्यक्षता में सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रामरूप ने डॉ. एस. आर. रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय, डॉ. अंजनी पुण्डरीक, राजेशकान्त तिवारी, सन्दीप सिंह, राजीव कुमार सहित समस्त परिसरीय सदस्य एवं छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

स्कूली वाहनों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 37 के चालान और चार सीज

‘मिशन सेफ फ्यूचर 2.0’ में खुली स्कूल वाहनों की पोल, कई की फिटनेस–परमिट अवधि खत्म

मथुरा। बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के खिलाफ बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। ‘मिशन सेफ फ्यूचर 2.0’ के तहत चलाए गए सघन चेकिंग अभियान में फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले 37 स्कूली वाहनों के चालान किए गए, जबकि चार वाहनों को विभिन्न थानों में निरुद्ध कर दिया गया। कार्रवाई से स्कूल संचालकों में खलबली मची रही।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में स्कूली बसों, ईको वैन तथा निजी और अनुबंधित वाहनों की बारीकी से जांच की गई। टीम ने वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, प्राथमिक उपचार बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और चालकों की योग्यता सहित जरूरी दस्तावेजों की पड़ताल की। जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और दस्तावेजों में कमी मिलने पर कार्रवाई की गई।

इन स्कूलों के वाहनों पर भी उठे सवाल

विभागीय आंकड़ों के अनुसार कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों के वाहनों की फिटनेस अथवा परमिट की अवधि समाप्त होने की जानकारी सामने आई है। इनमें एसपीएस इंटरनेशनल एकेडमी के पांच, रतन लाल फूल कटोरी के 10, कान्हा माखन पब्लिक स्कूल के सात, अमरनाथ विद्या आश्रम के छह, चंदनवन पब्लिक स्कूल के छह, संविद गुरुकुलम के पांच, श्री बाबूलाल महाविद्यालय के चार और देहली पब्लिक स्कूल के चार वाहन शामिल हैं।

स्कूल प्रबंधन को चेतावनी

एआरटीओ कार्यालय ने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर सभी विद्यालय संचालकों को वाहनों के फिटनेस, परमिट, बीमा समेत अन्य जरूरी दस्तावेज तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश देने का अनुरोध किया है। विभाग ने साफ किया है कि बिना वैध दस्तावेज किसी भी स्कूली वाहन का संचालन नहीं होने दिया जाएगा।

अभिभावक भी रहें सतर्क

राजेश राजपूत ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को ई–रिक्शा, वैन या ऑटो से स्कूल भेजने से बचें। स्कूल बस में भेजने से पहले वाहन की फिटनेस, परमिट और चालक का लाइसेंस जरूर जांचें। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

मान्यता निरस्तीकरण की भी होगी संस्तुति

परिवहन विभाग के अनुसार 25 अगस्त तक चलने वाले अभियान में नियमों की अनदेखी करने वाले विद्यालयों के वाहनों का पंजीयन निलंबित करने के साथ ही संबंधित विद्यालय की मान्यता निरस्त कराने के लिए जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग को संस्तुति भेजी जाएगी।

सुदामा जी का साख्यभाव, मित्रत्व प्रेम की पराकाष्ठा: आचार्य हरिकान्त त्रिपाठी

करछना। मनुष्य के लोक जीवन में विषम परिस्थितियों में धीरज,धर्म और नारी के साथ साथ सच्चे मित्र की भी परख होती है। श्री कृष्ण और सुदामा की मित्रता का साख्यभाव और मित्रत्व प्रेम इस सन्दर्भ में सम्पूर्ण जगत में एक अप्रतिम और अनूठा उदाहरण है। यह व्याख्यान क्षेत्र के महेवा,पूरा कुंजल बैस में अरुण सिंह द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत पाठ अनुष्ठान के समापन दिवस पर व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास आचार्य हरिकान्त त्रिपाठी ने दिया। पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोये,जैसी मार्मिक पंक्तियों द्वारा कथा व्यास ने कृष्ण –सुदामा मिलन की अद्भुत झांकी प्रस्तुत कर श्रद्धालु भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने श्रीमद्भागवत्कथा के श्रवण का महात्म्य बताते हुए कहा कि ऐसी कथा के श्रवण से मनुष्य में धर्म,सद्कर्म, शिष्टता सद्ज्ञान, सद्भाव, सद्विचार, सद्व्यवहार, सदाचरण,समभाव,सद्बुद्धि के प्रति प्रेरणा मिलती है। जिससे सद्जीवन का पथ सुगम होता है। इस दौरान कवि अशोक सिंह श्बेशरमश्ने कथा व्यास का माल्यार्पण और अंगवस्त्र से सम्मान किया। विमल कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।हवन,आरती प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ।इस मौके पर अनिल सिंह, श्याम सिंह, विनोद कुमार सिंह, डा.योगेश सिंह, राजेश सिंह राजू, कृष्णराज सिंह,मुंशी लाल पटेल,मोलई महाजन सहित कई भक्त श्रोता, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

प्लास्टिक सर्जरी से बदलती थी चेहरा, लखनऊ में सेक्स रैकेट चला रही उज्बेकिस्तान की लोला गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में खुफिया एजेंसी आईबी ने एक बेहद ही चौंकाने वाले और हाई–प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आईबी ने मामले की मुख्य सूत्रधार और उज्बेकिस्तान की नागरिक लोला कायूमोवा को धर दबोचा और सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस के हवाले कर दिया। करीब एक साल से फरार चल रही लोला उज्बेकिस्तान और नेपाल से युवतियों की मानव तस्करी कर उन्हें लखनऊ लाती थी और फिर पॉश इलाकों के फ्लैटों में रखकर उनसे देह व्यापार करवाती थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं, वे बेहद चौंकाने वाली हैं। लोला का सिंडिकेट चलाने का तरीका बेहद शातिर था। वह विदेश से युवतियों को फुसलाकर लखनऊ लाती थी और फिर एक डॉक्टर की मदद से उनकी प्लास्टिक सर्जरी करवा देती थी। चेहरा और हुलिया बदलने के बाद इन युवतियों को शहर के अलग–अलग पॉश इलाकों के अपार्टमेंट्स में रखकर देह व्यापार के गंदे धंधे में धकेल दिया जाता था। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला पिछले साल जून में तब सामने आया था, जब 20 जून 2025 को एफआरआरओ की टीम ने न्यू हजरतगंज के एक नामी अपार्टमेंट के कमरा नंबर 527 पर अचानक छापेमारी की थी। वहां से होलिडा और नीलोफर नाम की 2 विदेशी युवतियां फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़ी गई थीं। उस कार्रवाई के बाद से ही लोला पुलिस से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गई थी।

करें हवाएँ शोर

(छप्पय)

मौसम का बदलाव खेत का ऊसर बनना।
अनदेखी कर इसे दिखाकर नूतन सपना।
सजा रहे हैं ख्वाब निहित है जिसमें ऐठन।
प्रकृति विरोधी काम बना है युग का फैशन।
परेशान केवल वही जिसको यह अहसास है।
जीवन जीने के लिए नदी–विपिन वरदान है।

करें हवाएँ शोर सुनो बादल की बाते।
गीतों का संसार बसाने जो हैं आते।
पावस की हर रात सुबह लेकर है आती।
हरियाली चहुँ ओर सभी को देकर जाती।
रेत हँसी उपवन हँसे पीकर निर्मल नीर को।
देख सुहाना दृश्य यह खुशियाँ मिली समीर को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दिल्ली इकाई की काव्यगोष्ठी संपन्न

दिल्ली। शहर समता विचार मंच दिल्ली इकाई 'अगस्त माह' की काव्य गोष्ठी का संयोजन अफरोज अजीज ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष बेनु सतीश कान्त की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि पंकज चतुर्वेदी थी। काव्य

गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। माँ सरस्वती की वंदना चंचल जी के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अर्चना झा 'अन्नू' ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों के सावन , तीज और देश भक्ति से भरे रचनाओं ने माहौल मे हरियाली और ताजगी भरने का काम किया। मनोरमा श्रीवास्तव , चंचल हरेंद्र वशिष्ट, सुनीता मिश्रा, वेनु सतीश कॉंत , अफरोज अजीज एवं अर्चना झा ष्अन्नू ष की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति ने आयोजन में चार चाँद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन अफरोज जी ने किया।

गंगानाथ परिसर मे हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसर के छात्रों एवं शिक्षकों ने गंगानाथ झा परिसर से अमरशहीद चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान स्थल तक तिरंगे की आन, बान और शान से शोभायात्रा निकाली। परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" के नेतृत्व मे

सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे के साथ समस्त छात्र–छात्राओं ने "भारत माता की जय","वन्दे मातरम्" के साथ साथ "जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्" का गगनभेदी उद्घोष किया। जिससे तिरंगे को हाथ में लिये राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने की भावना संचरित हुई। भारत वर्ष के विभिन्न भागों से आये हुये छात्र–छात्राओं ने हर घर तिरंगा रैली में सम्मिलित होकर राष्ट्र को नमन किया। उक्त कार्यक्रम में प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, डॉ. अंजनी पुण्डरी, अंकित मिश्र, संजय कुमार मिश्र, राजेशकान्त तिवारी, सन्दीप सिंह के साथ ही साथ परिसर के समस्त शैक्षिक अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं, शोध छात्र समुपस्थित रहे।

नाग पंचमी पर भयहरण नाथ धाम में होगा भव्य घुघुरी लोक उत्सव

सूचना विभाग ने निदेशक से की सांस्कृतिक दल व कार्यक्रम की माँग

प्रतापगढ़। पौराणिक शिवालय बाबा भयहरण नाथ धाम में सावन मेला 2026 के अंतर्गत इस वर्ष भी नाग पंचमी के पावन पर्व पर 17 अगस्त को घुघुरी लोक उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला सूचना अधिकारी सविता यादव द्वारा जारी पत्र के अनुसार उप जिलाधिकारी के निर्देश पर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ.प्र. से सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु सांस्कृतिक दल भी भेजा जाएगा। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि इस लोक उत्सव में जनपद सहित आसपास के लोक कलाकार, कवि व सांस्कृतिक कर्मी अपनी अपनी प्रस्तुतियां देते हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेण्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम: 1. [illegible] 112 पर 2.5 मीटर ऊँचाई वाली [illegible] का प्रावधान। ई–निविदा सूचना सं0: एनईआर–बीएसबी–2026–110 अनुमानित लागत (₹) : 6,76,80,332/– अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (₹) : 13,53,600/– निविदा बंद होने की तिथि: 08.09.2026 स्वीकृत जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–110 दिनांक 08.09.2026 को 11:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) वाराणसी
[illegible]
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सम्पादकीय........

दवा के मनमाने दाम लेना है गैरकानूनी

दवाओं पर प्रिंटेड खुदरा मूल्य से अधिक लेना व दवाई की निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूलना गैरकानूनी है। ऐसा व्यापार उपभोक्ता के अधिकारों का हनन है। सर्वोच्च अदालत ने इस बाबत राज्यों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि निजी अस्पताल या उनके इन–हाउस मेडिकल स्टोर मरीजों से दवाओं और उपकरणों पर मनमाना मूल्य न वसूलें। आजकल दवा कम्पनियां चिकित्सकों व मेडिकल स्टोर संचालकों को लाभ पहुंचाने के लिए दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य वास्तविक कीमत से कई कई गुना प्रिंट कर रही हैं। कुछ डॉक्टर तो प्रसिद्ध दवाओं के सॉल्ट को लेकर नए नाम से दवाई के रैपर छपवाकर रोगियों से दवाइयों की मनमानी कीमत वसूल रहे हैं। जो रोगी उपभोक्ताओं के साथ सीधे–सीधी की जा रही ठगी या फिर धोखाधड़ी है। तभी तो राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा तय की गई सीमाओं का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर सुप्रीम कोर्ट ने भारी जुर्माने और वसूली के आदेशों को सही ठहराया है। उपभोक्ता अदालतों ने भी स्पष्ट किया है कि मुद्रित खुदरा मूल्य से ऊपर एक भी रुपया अधिक लेना गैरकानूनी है और यह उपभोक्ता के अधिकारों का हनन है। सर्वोच्च अदालत ने इस बाबत राज्यों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि निजी अस्पताल या उनके इन–हाउस मेडिकल स्टोर मरीजों से दवाओं और उपकरणों पर अत्यधिक या मनमाना मूल्य न वसूलें। दवाई की निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूलना या एमआरपी से ज्यादा दाम लेना उपभोक्ता कानून के तहत सेवा में कमी और अवैध व्यापारिक व्यवहार माना गया है। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता से अधिक कीमत वसूले जाने की स्थिति में न्याय पाने के लिए दवाई खरीद का पक्का बिल व भुगतान रसीद होना जरूरी है। मेडिकल स्टोर या दवा कम्पनी द्वारा एमआरपी से अधिक दाम वसूले जाने पर उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। सरकार ने पिछले दिनों 39 दवाओं की रिटेल प्राइस तय करते हुए दवा कंपनियों और मार्केटिंग कंपनियों को नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा है कि तय कीमत से अधिक दाम वसूलने पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कंपनियों को अतिरिक्त वसूल की गई राशि ब्याज सहित जमा करनी होगी। यह कार्रवाई ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों पर कंट्रोल बनाए रखना और ग्राहक के हितों की रक्षा करना है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी दवा मैन्युफैक्चिरिंग और मार्केटिंग कंपनियों को नोटिफाई रिटेल कीमत का पालन करना होगा। इस व्यवस्था से किसी भी दवा को तय कीमत से अधिक पर नहीं बेचा जा सकेगा। कंपनियों को प्राइस कंट्रोल के नियमों का पालन करना जरूरी होगा। इससे बाजार में दवाओं की कीमतों में ट्रांसपेरेंसी बनी रहेगी। अगर कोई कंपनी तय कीमत से अधिक राशि वसूलती है तो उसे अतिरिक्त वसूली गई पूरी रकम जमा करनी होगी, केवल रकम लौटाना ही काफी नहीं होगा। कंपनियों को उस राशि पर लागू ब्याज भी देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता और जीवन के अधिकार से जुड़े मामलों में न्यायिक तत्परता से संबंधित एक केस का स्वतः संज्ञान लिया है। यह मामला केरल की एक महिला से जुड़ा है, जो ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थी। उसने इलाज के लिए दवाओं की बहुत अधिक कीमतों को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट में याचिका लंबित रहने के दौरान ही उसकी मौत हो गई थी। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने इस बात पर गौर किया कि पेटेंटेड कैंसर दवाओं की अत्यधिक कीमतों से जुड़ा मामला केरल हाईकोर्ट में लंबित है।

सत्ता जो फैसला लेने से बचती है

असद मिर्जा

भारत बिना किसी खेमे, किसी सिद्धांत, या किसी टकराव को चुने वैश्विक शक्ति का दर्जा चाहता है। यह अनिर्णय की रणनीति एक दशक तक उसके काम आई हैकृ लेकिन 2026 यह परख रहा है कि क्या यह अस्पष्टता उस दुनिया में टिक सकती है जो अब दोनों तरफ झुकने वालों के प्रति धैर्य खोती जा रही है। जो देश अपने सभ्यतागत उदयय की बात इतनी सहजता से करता है, हैरानी की बात है कि वह यह तय नहीं कर पाया कि वह वास्तव में किस तरह की शक्ति बनना चाहता है। बहु–संरेखण, रणनीतिक स्वायत्तता, इंडिया वेयकृ ये रणनीतियां कम, और निर्णय टालने की भाषा ज्यादा हैं। इस टालमटोल ने भारत को वास्तविक गुंजाइश दी है, सस्ता रूसी कच्चा तेल, अमेरिकी तकनीक तक पहुंच, ब्रिक्स और क्वाड दोनों में एक साथ सीट, और ऐसी विदेश नीति जो शायद ही कभी कोई पुल जलाती है। लेकिन कभी पूरी तरह निर्णय न लेने की कधीमत अब सामने आने लगी है, और ठीक वहीं दिखाई दे रही है जहां एक असली महाशक्ति को सबसे मजबूत होना चाहिएकृ अपने पड़ोस में, अपने घोषित सिद्धांतों की विश्वसनीयता में, और उसके राजनयिकों के दावों तथा उसकी अर्थव्यवस्था व सेना की वास्तविक क्षमता के बीच के अंतर में। इस विरोधाभास की शुरुआत घर के नजदीक से करें, क्योंकि यहीं यह सबसे साफ नजर आता है। भारत ने पिछले दशक में क्वाड, ढ्ढरूश्वष्ट, ढ्ढ22 (आईएमसी, आईडब्ल्यू यूडब्ल्यू)और दर्जनों बदलते लघु–गठबंधनों पर आधारित एक विस्तृत बाहरी ढांचा बनाने में बितायाकृ जबकि सार्क, वह इकलौता क्षेत्रीय समूह जहां भारतीय नेतृत्व को विवादित नहीं बल्कि स्वाभाविक माना जाता था, 2016 के रद्द इस्लामाबाद शिखर सम्मेलन के बाद से क्षीण होता रहने दिया गया। चीन ने यह मौका गंवाया नहीं। कुनमिंग में पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ त्रिपक्षीय बैठक, नेपाल और श्रीलंका के साथ गहराते बुनियादी ढांचे व राजनीतिक संबंध, मालदीव में पैठ, और दक्षिण एशिया के वैकल्पिक संयोजक के रूप में चुपचाप स्थिति बनानाकृ ये सब एक ही असहज सच्चाई की ओर इशारा करते हैंरू भारत के पड़ोसी अब यह नहीं मानते कि नई दिल्ली ही एकमात्र संरक्षक है जिसे रिझाना जरूरी है, और कई अब दिल्ली से रियायतें ठीक इसी धमकी के जरिए हासिल करते हैं कि वे बीजिंग की ओर झुक सकते हैं। यह महज संयोगवश बहाव नहीं हैय यह ऐसी विदेश नीति का स्वाभाविक परिणाम है जिसने लगातार दूर की शक्तियों के साथ चमकदार शिखर सम्मेलनों को पड़ोसी कूटनीति के कठिन, संसाधन–गहन काम पर तरजीह दी है। कोई देश यह विश्वसनीय दावा नहीं कर सकता कि वह वैश्विक व्यवस्था को आकार दे रहा है जबकि वह अपने ही क्षेत्र में एक ऐसी शक्ति से मुकधबला हार रहा है जो उसकी सीमाओं से हजारों किलोमीटर दूर काम करती है। क्षेत्रीय प्रधानता आमतौर पर महाशक्ति दर्जे की नींव होती है, बाद में सुलझाया जाने वाला विवरण नहींकृ और भारत ने इस नींव को अपने ही पैरों तले दरकने दिया है। इस सबको ढंकने के लिए बनाया गया सिद्धांतकृ रणनीतिक स्वायत्तताकृ एक सरल दुनिया के लिए गढ़ा गया था, जहां विकल्प मूलतरू वाशिंगटन या मॉस्को के बीच था। यह उस दुनिया में बुरी तरह दबाव में आ जाता है जहां अमेरिका लेन–देन आधारित और अंतर्मुखी है, जहां चीन एक साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और उसका सबसे गंभीर सैन्य खतरा है, और जहां रूस, कमजोर होकर बीजिंग पर बढ़ती निर्भरता के साथ, अब वह संतुलनकारी शक्ति नहीं रहा जो कभी था। भारत की प्रतिक्रिया रही है कि हर दरवाजा एक साथ खुला रखा जाए रू अमेरिकी रक्षा सौदे पाते हुए भी रियायती रूसी तेल, ब्रिक्स की अध्यक्षता जो उसे गुट के पश्चिम–विरोधी लहजे का समर्थन किए बिना चलानी है, और वाशिंगटन के प्रति गर्मजोशी भरी बयानबाजी जिसने न तो दंडात्मक शुल्कों को रोका, न ट्रंप प्रशासन द्वारा अपने कध्रीबी साझेदारों के साथ बनाए गए महत्वपूर्ण–तकनीक समूह से भारत के चुपचाप बहिष्कार को। संतुलन साधने का एक रूप समझदारी जैसा दिखता है, और दूसरा रूप संस्कृतनिष्ठ शब्दावली में लिपटी अनिश्चितता जैसाकृ और विदेशी राजधानियां तेजी से दूसरी व्याख्या को चुन रही हैं। रणनीतिक स्वायत्तता, अपने तार्किक अंत तक पहुंचाई जाए तो, रणनीतिक अकेलेपन में बदलने का खतरा रखती हैरू ऐसी स्थिति जिसमें भारत पर कोई भी पूरा भरोसा नहीं करता, क्योंकि उसने अपनी कूटनीति को ही इस तरह गढ़ा है कि उसे कभी किसी के पूरे भरोसे की जरूरत ही न पड़े। भारत के अपने रणनीतिकारों ने इस पल को भूगोल से ज्यामिति की ओर बदलाव कहना शुरू कर दिया हैकृ सुरक्षा की नई परिभाषा अब केवल एलएसी के बजाय आपूर्ति शृंखलाओं, समुद्री केबलों, चिप निर्माण और समुद्री मार्गों के इर्द–गिर्द है। यह इस बात की एक बौद्धिक रूप से ईमानदार नई व्याख्या है कि राष्ट्रीय शक्ति को अब क्या चाहिए। समस्या यह है कि साधन भाषा के साथ कध्दम नहीं मिला पाए। भारत आज भी अपने लगभग आधे सैन्य साजो–सामान का आयात करता है, मेक इन इंडिया रक्षा अभियान के कई दशकों बाद भीय उसकी नौसेना अब भी विमानवाहक पोत और पनडुब्बी कार्यक्रमों को वर्षों से जकड़े देरी से जूझ रही हैय और उसका महत्वपूर्ण खनिज व सेमीकंडक्टर आधार काफी हद तक आकांक्षा भर है, और उन्हीं चीनी आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर है जिनके खिलाफ उसकी हिंद–प्रशांत बयानबाजी कथित तौर पर संगठित है। समुद्री साझेदारी सिद्धांत संयुक्त वक्तव्यों में प्रभावशाली लगता है पर उसी समुद्र में चीन की बंदरगाह–निर्माण की तुलना में भारत धीमी गति से आगे बढ़ता है। भारत के उदय के लगभग हर क्षेत्र में यही पैटर्न दिखता हैरू भाषा क्षमता से कहीं तेजी से आधुनिक हो रही है। ज्यामिति महत्वाकांक्षा की बात करने का एक अच्छा तरीका है। यह अपने आप में क्षमता का प्रमाण नहीं है। यह केवल विदेश नीति की विफलता नहीं हैकृ यह विदेश नीति का लबादा ओढ़े एक घरेलू विफलता है। भारत के राजनयिक सहजता से बता सकते हैं कि वह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, पर यह आंकड़ा एक ऐसी प्रति–व्यक्ति आय के साथ बेचौनी से खड़ा है जो अब भी दुनिया के शीर्ष सौ देशों से बाहर है, एक विनिर्माण क्षेत्र जो बार–बार की नीतिगत कोशिशों के बावजूद एक दशक से जीडीपी में अपना हिस्सा बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहा है, और एक नौकरशाही जिसकी सुस्ती उतनी ही रक्षा खरीद में बाधा बनती है जितनी अटकी बुनियादी संरचना में। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की बार–बार की कोशिशकृ औपचारिक महाशक्ति मान्यता का सबसे स्पष्ट संकेतकृ दो दशकों से अधिक समय से कहीं नहीं पहुंची, मुख्यतरू किसी बाहरी साजिश के कारण नहीं बल्कि इसलिए कि भारत ने कभी ऐसा गठबंधन, धैर्य या प्रभाव नहीं जुटाया जो मामले को आगे बढ़ा सके, एक ऐसी संस्था में जिसने सबके लिए संरचनात्मक सुधार का विरोध किया है। सॉफ्ट पावर भी नई दिल्ली की पैरवी से कहीं ज्यादा नाजुक हैरू भारत की वैश्विक छवि उतनी ही उसकी प्रेस–स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक क्षरण की रैंकिंग, धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव, और समय–समय पर संचार बंदी से बनती है जितनी योग कूटनीति और प्रवासी सद्भावना से कृ और विदेशी राजधानियां दोनों तरह की सुर्खिध्यां नोट करती हैं, चाहे भारत का अपना टिप्पणीकार वर्ग जो भी जोर देना चाहे। इन सबको जोड़ने वाली सच्चाई यह है, जिसे भारत का विदेश नीति तंत्र निजी तौर पर स्वीकार करता जा रहा है भले ही वह इसे सार्वजनिक रूप से कहने से बचेरू यह मूलतरू कूटनीतिक समस्या नहीं है,

किडनी रोगियों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत डायलिसिस बेड बढ़ाए जाएं: अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

STEMI Care Network की नियमित मॉनीटरिंग की जाए: अमित कुमार घोष

डेंगू–मलेरिया की रोकथाम के लिए फॉगिंग एवं एंटी–लार्वा अभियान लायी जाए तेजी: अपर मुख्य सचिव
लंबित फायर एनओसी का शीघ्र कराया जाए निस्तारणः अमित कुमार घोष
हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभागीय कर्मियों को राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड करने के लिए करें प्रोत्साहित: अपर मुख्य सचिव
स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, निर्धारित समय पर अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति करें सुनिश्चितः अमित कुमार घोष
अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी अपर निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं समस्त प्रधानाचार्यों के साथ की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक
बैठक में हर घर तिरंगा, STEMI Care Network iGOT कर्मयोगी, फायर सेफ्टी एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं की विस्तृत समीक्षा की

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री अमित कुमार घोष ने विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने अथवा अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन न करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सक निर्धारित समय पर अस्पताल में उपस्थित रहकर मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएं। अस्पतालों में रात्रिकालीन राउंड भी नियमित रूप से किए जाएं तथा इस दौरान मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं, चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति और अस्पताल की व्यवस्थाओं का प्रभावी निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने यह निर्देश वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी अपर निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं समस्त प्रधानाचार्यों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में हर घर तिरंगा, STEMI Care Network, iGOT कर्मयोगी, फायर सेफ्टी एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, मरीजों को समयबद्ध उपचार तथा जनहित से जुड़े अभियानों का प्रभावी क्रियान्वयन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। सभी अधिकारी अपने–अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं तत्परता से निर्वहन करें तथा जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न होने दें।

अपर मुख्य सचिव ने प्रदेश में बढ़ते किडनी रोगियों की संख्या तथा पूर्व से संचालित डायलिसिस यूनिटों में मरीजों की बढ़ती प्रतीक्षा सूची को गंभीरता से लेते हुए डायलिसिस बेडों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन चिकित्सालयों से डायलिसिस बेडों की संख्या बढ़ाए जाने के संबंध में सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, उनका परीक्षण कराकर आवश्यक कार्यवाही त्वरित गति से सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को समयबद्ध रूप से डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध हो सके।

STEMI Care Network की समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्थित 464 सहायक स्वास्थ्य केन्द्रों के स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अपर मुख्य सचिव ने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को कार्यक्रम की नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध हृदयघात के मरीजों की ईसीजी के माध्यम से समय से पहचान की जाए तथा आवश्यकतानुसार उन्हें निर्धारित केन्द्रों पर तत्काल भेजा जाए, जिससे मरीजों को गोल्डन ऑवर में उपचार उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में बताया गया कि 02 अगस्त, 2026 तक 2,54,384 संदिग्ध हृदयघात रोगियों की ईसीजी की गई, जिनमें से 3,631 रोगियों में ज्म्डप् की पहचान हुई। इनमें से 2,179 रोगियों को थ्रोम्बोलिसिस प्रदान की गई तथा उन्हें निर्दिष्ट केन्द्रों पर भेजा गया।

iGOT कर्मयोगी पोर्टल की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी iGOT कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकृत हों तथा अधिकतम अनिवार्य पाठ्यक्रम पूर्ण करें। अपर निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा इसकी नियमित मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रत्येक माह की 15 एवं 30 तारीख को अपराह्न 01 बजे से 02 बजे के मध्य स्मंतदपदह क्तपअम आयोजित करने के निर्देश भी दिए, ताकि अधिक से अधिक कार्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर अपने ज्ञान एवं कार्यकुशलता में वृद्धि कर सकें।

फायर सेफ्टी की समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जिन चिकित्सालयों में फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थापना का कार्य चल रहा है, उसे त्वरित गति से पूर्ण कराया जाए। फायर सेफ्टी एनओसी प्राप्त करने में यदि किसी स्तर पर समस्या आ रही है तो उसका तत्काल निराकरण कराया जाए। प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियों के उपरांत शेष चिकित्सालयों में फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थापना का कार्य बिना किसी विलंब के प्रारंभ कराया जाए।

उन्होंने अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर समय–समय पर फायर मॉक ड्रिल आयोजित कराने तथा जिला अग्निशमन अधिकारी के साथ निकट समन्वय कर लंबित फायर सेफ्टी एनओसी समय से प्राप्त करने के निर्देश दिए।

हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि 13 से 15 अगस्त, 2026 तक प्रदेश के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में विधिवत ध्वजारोहण समारोह आयोजित किए जाएं तथा संस्थानों में तिरंगे की आकर्षक रोशनी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ आमजन को भी राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी लेकर उसे हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि विभाग से जुड़े सभी सरकारी एवं निजी क्षेत्र के अधिकारी–कर्मचारी अपने–अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों एवं पूर्व सैनिकों के परिजनों को स्वास्थ्य संस्थानों में आमंत्रित कर सम्मानित करने के भी निर्देश दिए।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अभियान की शेष अवधि में सभी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं तीव्र किया जाए तथा प्रत्येक जिले में लंबित कार्यों को निर्धारित समय में पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभियान अवधि समाप्त होने के बाद भी अंतर–विभागीय समन्वय से स्वच्छता एवं साफ–सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी–लार्वा एवं फॉगिंग जैसी गतिविधियां निरंतर संचालित की जाएं। उन्होंने विशेष रूप से एंटी–लार्वा एवं फॉगिंग के लिए अभियान चलाने तथा डेंगू एवं मलेरिया की प्रभावी निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर पर कंट्रोल रूम संचालित करने के निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों को जो कार्य आवंटित किए गए हैं, उनमें जिन विभागों द्वारा अभी तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, उन्हें पत्र भेजकर लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के लिए कहा जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अंतर–विभागीय समन्वय को और प्रभावी बनाने तथा रोग नियंत्रण की गतिविधियों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

डेंगू एवं मलेरिया सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों की संभावित स्थिति को देखते हुए उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आवश्यक लॉजिस्टिक्स एवं चिकित्सा सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डायग्नोस्टिक किट एवं प्रयोगशाला उपकरण कार्यशील स्थिति में रहें तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बेड एवं मच्छरदानी युक्त वार्ड तैयार रखे जाएं। बुखार की दवाओं, ओआरएस पैकेट एवं प्ट थ्सनपके का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट सुचारु रूप से कार्यरत रहें तथा अस्पतालों में ऑक्सीजन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इमरजेंसी एवं डेंगू वार्ड में उपचार प्रोटोकॉल उपलब्ध रहने के साथ उनका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एंबुलेंस सेवाएं भी पूरी तरह कार्यशील रखी जाएं।

उन्होंने मलेरिया एवं डेंगू के केस मैनेजमेंट के संबंध में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित कराने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पतालों में संचारी रोगों की रोकथाम एवं समय से उपचार के संबंध में प्म्ब् सामग्री प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने तथा आमजन को जागरूक करने के लिए रोगों से बचाव के क्या करें और क्या न करें का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करने को कहा।

जैकलीन फर्नांडीज के 7 डांस परफॉर्मेंस, जिन्होंने उन्हें बनाया बॉलीवुड की चार्टबस्टर क्वीन

नई दिल्ली। जैकलीन फर्नांडीज ने इंडियन सिनेमा की सबसे मशहूर परफॉर्मर्स में से एक के तौर पर अपनी एक खास जगह बनाई है। अपनी चमकदार मुस्कान, जबरदस्त पॉजिटिविटी, धूप जैसी एनर्जी और मैग्नेटिक ग्लोबल अपील के साथ, यह एक्ट्रेस जहां भी जाती हैं, दिल जीत लेती हैं। चाहे बड़े पर्दे पर हों, इवेंट्स में हों, या प्लेलिस्ट में छाए रहने वाले म्यूजिक वीडियो के जरिए, जैकलीन ने लगातार यादगार परफॉर्मेंस दी हैं। इतने सालों में, वह ब्लॉकबस्टर डांस नंबर्स की पहचान बन गई हैं जो फैंस की पसंदीदा बनी हुई हैं, यह साबित करती हैं कि जब स्टाइल, ग्रेस और आसान मूव्स की बात आती है, तो कुछ ही लोग उनका मुकाबला कर सकते हैं।जैकलीन के सबसे आइकॉनिक गानों में से एक, चिट्ठियां कलाइयां रिलीज होते ही तुरंत सेंसेशन बन गया। उनके वाइब्रेंट एक्सप्रेशन, आसान डांस मूव्स और जबरदस्त एनर्जी ने इस ट्रैक को शादी और पार्टी का खास गाना बना दिया, जो सालों बाद भी पसंद किया जाता है।लत लग गई में, जैकलीन ने ग्लैमर, एलिगेंस और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस का एक परफेक्ट मिक्स दिखाया। उनकी केमिस्ट्री, आसान एक्सप्रेशन और शानदार एक्सप्रेशन ने इस गाने को फिल्म के सबसे खास हाइलाइट्स में से एक और दर्शकों का पसंदीदा बना दिया।जैकलीन ने एक बार फिर पानी पानी से इंटरनेट पर धूम मचा दी। यह चार्टबस्टर गाना देश भर में मशहूर हो गया, जिसमें उनके शानदार विजुअल्स, कॉन्फिडेंट परफॉर्मेंस और सिग्नेचर डांस स्टाइल ने इसे सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले रीक्रिएटेड गानों में से एक बना दिया। आर्टिस्ट टेक के साथ इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और एक जबरदस्त कोरियोग्राफी को एक साथ लाते हुए, यिमी यिमी ने जैकलीन की लगातार बढ़ती ग्लोबल अपील को हाईलाइट किया। उनकी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और आसान परफॉर्मेंस ने इस ट्रैक को बॉर्डर पार के दर्शकों के बीच तुरंत हिट बनाने में मदद की। गेंदा फूल के साथ, जैकलीन ने अपने सबसे यादगार म्यूजिक वीडियो परफॉर्मेंस में से एक दिया। ट्रेडिशनल एस्थेटिक्स को कंटेम्पररी स्टाइल के साथ मिलाकर, उन्होंने हर फ्रेम को ग्रेस, कॉन्फिडेंस और बेजोड़ करिश्मा से रोशन कर दिया, जिससे यह गाना चार्ट–टॉपिंग फेवरेट बन गया। लाल परी के साथ, जैकलीन फर्नांडीज ने अपने जबरदस्त डांस मूव्स और दिलकश एक्सप्रेशन से हर फ्रेम में अपनी जगह बनाई। इस हाई–एनर्जी ट्रैक ने पावर–पैक्ड कोरियोग्राफी के साथ एलिगेंस को आसानी से मिलाने की उनकी काबिलियत को पूरी तरह से दिखाया, जिससे यह फैंस के बीच तुरंत पसंदीदा बन गया। बेजोस के साथ, जैकलीन फर्नांडीज ने फ्रेंच आर्टिस्ट कार्ल वाइन के साथ मिलकर काम किया, जो एक वाइब्रेंट क्रॉस–कल्चरल कोलेबोरेशन है जिसमें इंटरनेशनल बीट्स को उनके सिग्नेचर स्टाइल के साथ मिलाया गया है। कॉन्फिडेंस, ग्लैमर और आसान करिश्मा दिखाते हुए, जैकलीन ने अपने दिलकश एक्सप्रेशन और हाई–एनर्जी डांस मूव्स से हर फ्रेम में जान डाल दी। कार्ल वाइन के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री, गाने की जबरदस्त रिदम और कंटेंपररी विजुअल्स ने बेजोस को एक ग्लोबल म्यूजिकल कोलेबोरेशन के तौर पर अलग बनाया। टाइमलेस बॉलीवुड चार्टबस्टर्स से लेकर दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले म्यूजिक वीडियो तक, जैकलीन फर्नांडीज ने अपनी यादगार डांस परफॉर्मेंस से एक जबरदस्त लेगेसी बनाई है। जैसे ही उनका एक और जन्मदिन है, फैंस इन आइकॉनिक नंबर्स को बार–बार सुन रहे हैं और बेसब्री से उस एक्ट्रेस की और भी शानदार परफॉर्मेंस का इंतजार कर रहे हैं जो सच में चार्टबस्टर्स की क्वीन हैं।

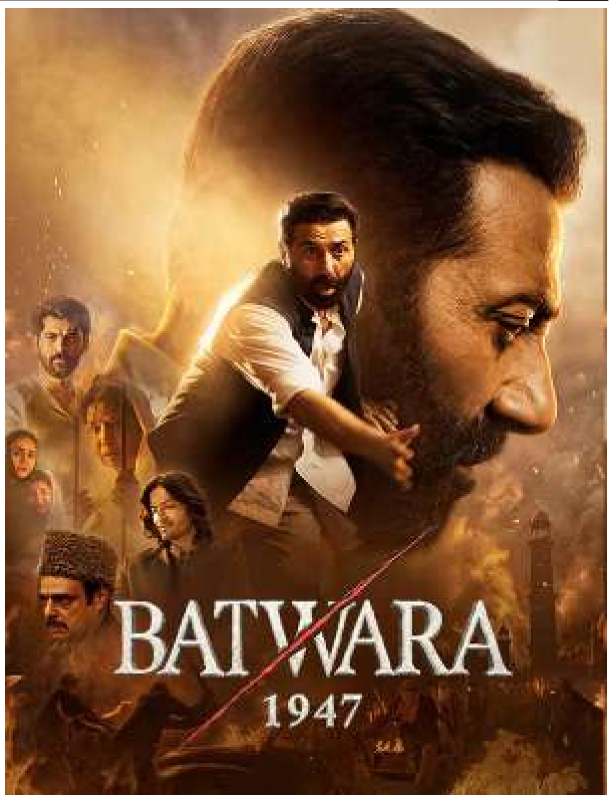

आमिर खान प्रोडक्शंस की 'बंटवारा 1947' की एडवांस बुकिंग शुरू

आमिर खान प्रोडक्शंस की 'बंटवारा 1947' इस साल भारतीय सिनेमा की सबसे मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म में शबाना आजमी, सनी देओल और प्रीति जिंटा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म इंसानियत, करुणा और हिम्मत की एक दमदार कहानी पेश करती है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर, ट्रेलर और गानों ने दर्शकों को फिल्म की भावुक कहानी की झलक दिखाई है, जिसके बाद फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। जैसे–जैसे फिल्म की रिलीज डेट करीब आ रही है, 'बंटवारा 1947' की एडवांस बुकिंग अब सिनेमाघरों में आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। दर्शक अपनी टिकट बुक करके सीट पक्की कर सकते हैं और इस दमदार कहानी को बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। शानदार परफॉर्मेंस और इमोशनल कहानी के साथ बनी यह फिल्म दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ने की उम्मीद है। अपने दमदार विजुअल्स, दिल को छू लेने वाली कहानी और शानदार परफॉर्मेंस के साथ 'बंटवारा 1947' एक ऐसी इमोशनल सिनेमाई कहानी पेश करने का वादा करती है, जो उपमहाद्वीप के इतिहास के सबसे मुश्किल दौर में प्यार, बलिदान, इंसानियत और उम्मीद की कहानी को सामने लाएगी। 'बंटवारा 1947' में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। फिल्म करीब तीन दशक बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की मच अवेटेड जोड़ी को फिर से साथ लेकर आ रही है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'बंटवारा 1947' का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का म्यूजिक ए. आर. रहमान ने दिया है, जबकि इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है और यह पार्टिशन डे यानी 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

तुम किसी और से शादी कर लो...इस हादसे के बाद टूट गई थीं हिना खान, जानें क्यों पति रॉकी को खुद से करना चाहती थीं दूर?

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने ये रिश्ता क्या कहलाता है से घर–घर में अपनी खास पहचान बनाई है। पिछले साल उन्हें ब्रेस्ट कैंसर होने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के दौरान काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरना पड़ा। कैंसर की वजह से हिना भावनात्मक और मानसिक तौर पर भी काफी परेशान रहीं। इस कठिन समय के बीच हिना खान ने अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल से शादी करने का फैसला किया। हालांकि, शादी से पहले एक समय ऐसा भी आया जब हिना ने रॉकी से खुद किसी और लड़की से शादी कर लेने तक की बात कही थी। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस भावुक दौर से जुड़ा यह अनसुना किस्सा शेयर किया है। हाल ही में हिना खान ने एक पॉडकास्ट के दौरान अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उनकी शादी को कुछ लोगों ने इसे महज एक पब्लिसिटी स्टंट तक करार दिया था। इस पर हिना ने साफ कहा कि उन्हें लोगों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि वह और रॉकी अपने रिश्ते की सच्चाई जानते हैं। उनके मुताबिक, अगर उनकी शादी को सिर्फ पब्लिसिटी के चश्मे से देखेगा तो रिश्ते के पीछे की असली वजह और भावनाएं नजरअंदाज हो जाएंगी। हिना ने यह भी बताया कि हालात इतने मुश्किल हो गए थे कि कई बार उन्होंने रॉकी से किसी और से शादी कर लेने तक के लिए कहा। उन्हें लगता था कि अगर उनकी जिंदगी पहले जैसी नहीं रह पाएगी, तो रॉकी को अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला करना चाहिए। हिना ने बताया कि रॉकी ने उनसे सबसे मुश्किल दौर में भी उनका साथ नहीं छोड़ा। उस समय दोनों को कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और कई बड़े फैसले लेने पड़े, जिन्हें उन्होंने मिलकर स्वीकार किया। हिना के मुताबिक, उस दौर में उनके साथ रहने वाले लोग जानते हैं कि वह रॉकी के सपोर्ट के बिना शायद इन मुश्किलों से मजबूती से नहीं गुजर पातीं। उन्होंने हर कदम पर हिना का हौसला बढ़ाया और इस कठिन सफर को उनके लिए काफी आसान बना दिया। बता दें कि हिना खान और रॉकी जायसवाल की प्रेम कहानी की शुरुआत टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के सेट से हुई थी। दोनों ने लंबे समय तक एक–दूसरे को डेट किया और करीब 13–14 साल के रिश्ते के बाद शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया। कपल ने 4 जून 2025 को शादी की थी। अब उनकी शादी को एक साल पूरा हो चुका है।

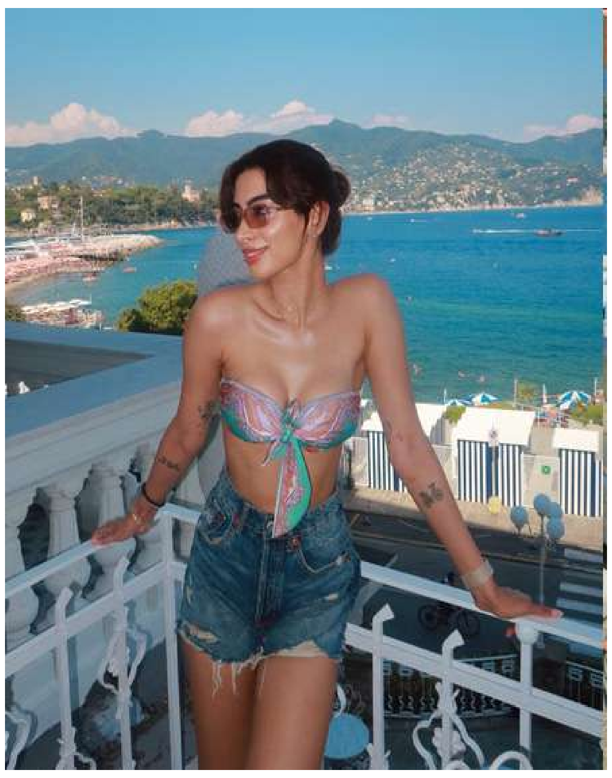

खुशी कपूर के नाम और तस्वीर के गलत इस्तेमाल पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, दिया अश्लील कंटेंट हटाने का निर्देश

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से खुशी कपूर से जुड़े कथित अश्लील कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही, कोर्ट ने उनकी पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी अधिकारों का इस्तेमाल करके बिना इजाजत बेचे जा रहे सामान से जुड़े कंटेंट को भी हटाने का आदेश दिया। ऐसा आदेश उन अज्ञात लोगों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करेगा जो उनकी पहचान के अनधिकृत उपयोग या शोषण में शामिल हो सकते हैं। यह आदेश दिल्ली हाई कोर्ट की एक अन्य बेंच की तरफ से खुशी कपूर की बहन, जान्हवी कपूर के पर्सनैलिटी अधिकारों के कथित आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश जारी करने के एक दिन बाद आया है। हाल के वर्षों में, दिल्ली हाई कोर्ट ने मशहूर हस्तियों के नाम, तस्वीरों, आवाज, शक्ल–सूरत और अन्य विशिष्ट पर्सनैलिटी विशेषताओं के अनधिकृत उपयोग से जुड़े मामलों की बढ़ती संख्या पर सुनवाई की है। ऐसे मामलों में कमर्शियल मर्केंडाइज, भ्रामक डिजिटल कंटेंट और एआई–जनरेटेड मटीरियल में उनका उपयोग शामिल रहा है।

सैफ अली खान ने लंदन में दिखाई क्रिकेट स्किल, पिता को दी श्रद्धांजलि

हाल ही में एक्टर सैफ अली खान लंदन में क्रिकेट के मैदान पर उतरे। 55 साल के सैफ का क्रिकेट की सफेद ड्रेस में बॉलिंग करते हुए एक वीडियो वायरल हो गया है। यह वीडियो पटौदी परिवार की क्रिकेट से जुड़ी पुरानी कहानी में एक नया यादगार पल जोड़ता है। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब सैफ ने हाल ही में विंचेस्टर कॉलेज में अपने पिता, मंसूर अली खान पटौदी को श्रद्धांजलि दी थी। सैफ ने 13 जून को विंचेस्टर कॉलेज में आयोजित एक समारोह में अपने पिता, जिन्हें टाइगर पटौदी के नाम से भी जाना जाता है, को श्रद्धांजलि दी। सैफ, जो खुद इस संस्थान के पूर्व छात्र हैं। कॉलेज के ऐतिहासिक क्रिकेट पवेलियन हंटर टेंट में एक यादगार पट्टिका के अनावरण समारोह में शामिल हुए। क्रिकेट लंबे समय से पटौदी परिवार के इतिहास का हिस्सा रहा है। सैफ के पिता, मंसूर अली खान पटौदी, भारत के सबसे मशहूर क्रिकेटरों में से एक थे। उनके दादा, इफ्तिखार अली खान पटौदी ने 1946 में भारत की कप्तानी की थी और 1932 व 1934 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट भी खेला था। काम की बात करें तो, सैफ जल्द ही प्रियदर्शन की अपकमिंग फिल्म हैवान में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए 18 साल बाद अक्षय कुमार के साथ उनकी ऑन–स्क्रीन वापसी हो रही है। फिल्म की कास्ट में बोमन ईरानी, सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी शामिल हैं। यह फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

लौकी को देखकर टेढ़े-मेढ़े मुंह बनाता है बच्चा, तो इन डिशेज को एक बार करें ट्राई

शायद ही कोई ऐसा बच्चा हो, जो लौकी खाना पसंद करता हो। हालांकि, यह एक ऐसी सब्जी है, जिसे सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें ना केवल काफी कम कैलोरी होती है, बल्कि वाटर कंटेंट भी काफी अधिक होता है।

बच्चों की सेहत का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि उनकी डाइट में तरह–तरह की सब्जियों को शामिल किया जाए। हालांकि, अक्सर बच्चे सब्जियों से बचते नजर आते हैं और लौकी का तो नाम सुनकर ही वे टेढ़े–मेढ़े मुंह बनाने लगते हैं। शायद ही कोई ऐसा बच्चा हो, जो लौकी खाना पसंद करता हो। हालांकि, यह एक ऐसी सब्जी है, जिसे सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें ना केवल काफी कम कैलोरी होती है, बल्कि वाटर कंटेंट भी काफी अधिक होता है। इसके अलावा, इसमें कई तरह के विटामिन व मिनरल्स पाए जाते हैं, जो बच्चों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अब सवाल यह उठता है कि बच्चे को लौकी किस तरह खिलाई जाए। आप इसकी मदद से कई अलग–अलग डिश बनाकर ट्राई करें। यकीन मानिए, बच्चों को यह डिशेज काफी पसंद आएंगी और वे बार–बार इन्हें खाने की जिद करेंगे। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही कुछ डिशेज के बारे में–

लौकी पराठा

बच्चों को पराठा खाना काफी पसंद होता है। आप एक बार उन्हें लौकी पराठा खिलाइए। दही या केचप के साथ यह काफी अच्छा लगता है।

आवश्यक सामग्री–

1 कप कद्दूकस व निचोड़ी हुई लौकी

1 कप गेहूं का आटा

1 छोटा चम्मच जीरा

स्वादानुसार नमक

आधा छोटा चम्मच हल्दी

आधा छोटा चम्मच अजवाइन

1–2 बड़े चम्मच बारीक कटा धनिया

पराठा सेकने के लिए घी या तेल

लौकी पराठा कैसे बनाएं–

घी को छोड़कर बाकी सभी सामग्री आटे में मिलाएं और आटा गूंध लें।

अब आप इससे छोटे–छोटे पराठे बेल लें।

तवे पर घी/तेल लगाकर दोनों तरफ से सुनहरा सेक लें।

दही, अचार या केचप के साथ गरमागरम परोसें।

लौकी का हलवा

अगर बच्चा मीठा खाना पसंद करता है तो आप उसके लिए लौकी का हलवा भी बना सकती हैं। यह काफी क्रीमी, हल्का मीठा, और ड्राय फ्रूट्स से भरपूर होता है और बच्चों को काफी पसंद आता है।

आवश्यक सामग्री–

1 कप कद्दूकस की हुई लौकी

1 कप दूध

1 छोटा चम्मच घी

2–3 बड़े चम्मच शक्कर या गुड़

इलायची पाउडर

कटे हुए बादाम और किशमिश

लौकी का हलवा कैसे बनाएं–

कढ़ाई में घी गरम करके लौकी को 5 मिनट भून लें।

अब दूध डालें और मिक्स करते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं।

शक्कर या गुड़ डालें और अच्छे से मिलाएं।

ऊपर से इलायची पाउडर और ड्राय फ्रूट्स डालें।

अपनाएं ये 5 घरेलू तरीके, बॉडी हो जाएगी नेचुरली डिटॉक्स

फेस्टिवल बाद ऐसे करें बॉडी को डिटॉक्स

त्योहारों का समय खाने–पीने के लिए बेहद खास होता है। इस दौरान हम स्वादिष्ट मिठाइयां, तले–भुने पकवानों और मसालेदार खाने का खूब आनंद लेते हैं। लेकिन यही चीजें अगर ज़्यादा मात्रा में खा ली जाएं, तो शरीर में टॉक्सिन्स (विषैले तत्व) जमा हो जाते हैं। इसका असर हमारे पाचन तंत्र, लिवर, स्किन और किडनी पर पड़ता है। इन टॉक्सिन्स की वजह से हम थकान, पेट की समस्या और सुस्ती महसूस करते हैं। इसलिए त्योहार के बाद शरीर को डिटॉक्स करना जरूरी हो जाता है, ताकि हम फिर से एनर्जेटिक और हेल्दी महसूस करें। रंजना न्यूट्रीग्लो क्लीनिक (गाजियाबाद) की डायटिशियन रंजना सिंह ने कुछ बेहद आसान और असरदार नेचुरल डिटॉक्स टिप्स बताए हैं जिन्हें आप घर बैठे ही फॉलो कर सकते हैं। आइए जानें क्या करें और क्या न करें

नींबू–शहद वाला गुनगुना पानी दिन की करें हेल्दी शुरुआत

सुबह खाली पेट गर्म पानी में एक नींबू निचोड़ें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। यह शरीर से जहरीले तत्व बाहर निकालने में मदद करता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और पाचन तंत्र को बेहतर करता है। साथ ही यह वजन कम करने में भी सहायक है।

हरी सब्जियां और ताजे फल करें शामिल

त्योहारों के हैवी खाने के बाद कुछ दिन तक हल्का और फाइबर से भरपूर खाना खाएं। पालक, मेथी, ब्रोकली जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां और सेब, पपीता, अमरूद जैसे फल शरीर को अंदर से साफ करते हैं और लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं।

भरपूर पानी और हर्बल चाय पिएं

शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। दिन भर में कम से कम 8–10 गिलास पानी जरूर पिएं। साथ ही ग्रीन टी, तुलसी चाय या अदरक वाली हर्बल चाय पीना फायदेमंद है। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं और शरीर की सफाई में मदद करती हैं।

कुछ दिन तक जंक और मीठे से दूरी

त्योहारों के बाद शुगरी चीजें, प्रोसेस्ड फूड, बेकरी आइटम और डीप फ्राइड स्नैक्स से परहेज करें। इनकी जगह भुना हुआ चना, मखाना, फल या घर का बना हेल्दी सलाद खाएं। इससे शरीर में नए टॉक्सिन्स बनने से बचेंगे और पुरानों की सफाई होगी।

हल्की एक्सरसाइज और योग को बनाएं दिनचर्या

शरीर से पसीना निकालना एक नेचुरल डिटॉक्स तरीका है। रोजाना 30 मिनट वॉक, योग या हल्की एक्सरसाइज जरूर करें। कपालभाति, प्राणायाम और भुजंगासन जैसे योगासन शरीर को शुद्ध करने में बेहद असरदार होते हैं। साथ ही 7–8 घंटे की अच्छी नींद और तनाव से दूरी भी डिटॉक्स का हिस्सा हैं। अगर संभव हो, तो इंटरमिटेंट फास्टिंग भी कर सकते हैं।

इन आसान उपायों को अपनाकर आप त्योहार के बाद शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बिना किसी दवा के नेचुरल तरीके से बाहर निकाल सकते हैं। इससे न केवल आप हल्का और एनर्जेटिक महसूस करेंगे, बल्कि आपकी स्किन, पाचन और इम्यून सिस्टम भी बेहतर हो जाएगा।

हैवी इयररिंग्स से अब कान नहीं पकेंगे, ये टिप्स दिलाएंगे दर्द से छुटकारा

किसी भी त्योहार, फंक्शन और पार्टी के मौके पर हम सभी इंडियन और वेस्टर्न ड्रेस के साथ हैवी इयररिंग्स कैरी करते हैं। जिससे हमारा लुक काफी इंप्रेसिव नजर आता है। खासकर लड़कियां बड़े इवेंट पर बिग इयररिंग्स कैरी करना पसंद करती हैं। ऐसा करने से आउटफिट का लुक अधिक निखरकर आता है। खासकर एथनिक आउटफिट के साथ हैवी झुमकों का काफी चलन है। यह देखने में क्लासी लगता है। वहीं हैवी इयररिंग्स हमारी खूबसूरती में भी चार चांद लगा देते हैं। लेकिन हैवी इयररिंग्स कुछ देर पहनने के बाद कानों में दर्द, खिंचाव और कान के पकने की समस्या होने लगती है। अगर यह समस्या आपके साथ भी होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन उपायों को आजमाने से आप कान के पकने और दर्द जैसी समस्या से राहत पा सकती हैं।

पैट्रोलियम जेली

भारी इयररिंग्स पहनने के बाद कान पक जाते हैं और दर्द करने लगते हैं। ऐसे में आप हैवी इयररिंग्स पहनने से पहले कानों में पैट्रोलियम जैली लगाएं। इसके बाद झुमके पहनें। इससे आपके कानों को किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नीम का पेस्ट

अगर हैवी झुमके पहनने के बाद आपके कान भी पक जाते हैं, तो झुमके उतारने के बाद कानों के एयरलोबस पर नीम की पत्ती का पेस्ट लगाना चाहिए। रातभर इस पेस्ट को लगा रहने दें। क्योंकि नीम में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। इसलिए यह पके हुए कानों को जल्दी ठीक करेगा और आपको दर्द में भी राहत मिलेगी।

हल्दी और तेल

बता दें कि हल्दी और सरसों के तेल में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। इसलिए हैवी झुमके पहनने के बाद हल्दी और सरसों का तेल मिक्स करके कानों में लगाएं। इस नुस्खे से कानों में किसी भी तरह का दर्द, इंफेक्शन नहीं होगा और आपके कान भी नहीं पकेंगे।

गर्म पानी में नमक

अगर आपके कान भी हैवी झुमके पहनने के बाद पक जाते हैं, तो आप गर्म पानी में नमक डालकर कॉटन की मदद से इसको अपने कानों पर लगा सकती हैं। इससे कानों के पकने और दर्द होने का डर नहीं रहेगा।

संक्षिप्त

संन्यास के बावजूद श्रीलंका दौरे पर क्यों गए अजिंक्य रहाणे?

कोलंबो,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे अब मैदान के अंदर नहीं, बल्कि कमेंट्री बॉक्स से टेस्ट क्रिकेट का अनुभव साझा करते नजर आएंगे। रहाणे भारत के आगामी श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी और इसी सीरीज के साथ रहाणे कमेंट्री की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। रहाणे का यह कदम उनके करीब 18 साल लंबे फर्स्ट क्लास करियर के खत्म होने के कुछ ही समय बाद आया है। अपने करियर के बड़े हिस्से में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के मुश्किल माहौल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 37 साल की उम्र में रहाणे पांच दिन तक चलने वाले टेस्ट मैच को एक खिलाड़ी के बजाय कमेंटेटर के नजरिए से देखेंगे। वह मैच के दौरान रणनीतिक फैसलों, महत्वपूर्ण पलों और मुकाबले की दिशा बदलने वाले घटनाक्रम का विश्लेषण करेंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 5,077 रन बनाए। उनके नाम 12 शतक और 26 अर्धशतक हैं। अलग–अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेलने और दबाव के बीच प्रदर्शन करने का उनका अनुभव कमेंट्री के दौरान उनके लिए अहम साबित हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने के बाद अब वह अपने अनुभव के जरिए दर्शकों को टेस्ट क्रिकेट की बारीकियां समझाने की कोशिश करेंगे। अपने कमेंट्री डेब्यू को लेकर रहाणे ने कहा कि इससे उन्हें टेस्ट क्रिकेट को बिल्कुल अलग नजरिए से देखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने को लेकर उत्साहित हूं। टेस्ट क्रिकेट हमारे खेल का शिखर है और इतने वर्षों तक इस फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब खेल को एक अलग नजरिए से देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। रहाणे ने कहा कि वह अपने अनुभव साझा करने के साथ–साथ खेल की बारीकियों को समझाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को उन फैसलों, रणनीतियों और महत्वपूर्ण पलों के बारे में जानकारी देना चाहते हैं, जो टेस्ट मैच का रुख बदल सकते हैं।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, मेंडिस–निसांका बाहर, डिकवेला की वापसी

कोलंबो,एजेंसी। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर–बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं। इन दोनों की गैरमौजूदगी ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम में जगह बनाई है। इसी वजह से डिकवेला को 33 साल की उम्र में दोबारा टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने श्रीलंका के पिछले टेस्ट में भी ओपनिंग की थी। मदुश्का ने भारत के खिलाफ वार्म अप मैच में ओपनिंग की थी और शानदार अध र्शतक लगाया था। मध्यक्रम में दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस और कप्तानधनंजय डिसिल्वा की भूमिकाएं लगभग तय मानी जा रही हैं। इनके क्रमशरू नंबर–तीन, चार और पांच पर उतरने की संभावना है। श्रीलंका ने घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। ऑलराउंडर मिलान रत्नायके के रूप में टीम के पास पांचवां सीम गेंदबाजी विकल्प भी मौजूद है। असिथा फर्नांडो के खेलने की संभावना सबसे ज्यादा है। उनके अलावा लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका में से भी टीम संयोजन के अनुसार गेंदबाज चुने जा सकते हैं।

एजीएम से ठीक पहले इस्तीफा देने वाले चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की नेटवर्थ कितनी?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय कॉरपोरेट जगत के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित घराने टाटा संस से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वे तुरंत पद नहीं छोड़ रहे हैं और फरवरी 2027 तक अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक इस जिम्मेदारी को संभालते रहेंगे। लेकिन उन्होंने यह साफ कर दिया है कि वे इसके बाद दोबारा इस शीर्ष पद पर नियुक्ति की मांग नहीं करेंगे। 18 अगस्त 2026 को होने वाली टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) से ठीक पहले आए इस फैसले ने पूरे देश के बिजनेस सेक्टर में हलचल मचा दी है। टाटा ट्रस्ट्स के साथ मतभेदरू यह भी चर्चा है कि टाटा संस की लगभग 66प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स के साथ चंद्रशेखरन के कुछ मतभेद चल रहे थे।

सार्थक रंजन: दिल्ली लीग में पप्पू यादव के बेटे का बल्ला मचा रहा तबाही

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन लगातार अपने बल्ले से प्रभावित कर रहे हैं। सांसद पप्पू यादव के बेटे 29 वर्षीय सार्थक ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसने उनका नाम चर्चा में ला दिया है। 11 अगस्त को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भी सार्थक ने वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उनकी 30 गेंदों में 57 रन की पारी और कप्तानी की बदौलत नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हरा दिया। सार्थक की पिछली चार पारियों पर नजर डालें तो उनके बल्ले से 64, 95, 65 और 57 रन निकले हैं। इन चार पारियों में उन्होंने कुल 256 रन बनाए हैं। इस सीजन सार्थक का बल्ला लगातार रन बना रहा है। पिछले चार मैचों में तीन बार उन्होंने 60 से ज्यादा रन बनाए, जबकि एक पारी में 95 रन ठोके। वेस्ट दिल्ली के खिलाफ भी उन्होंने तेज शुरुआत करते हुए महज 30 गेंदों पर 57 रन बना दिए। उनकी पारी के दम पर नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 147 रनों के लक्ष्य का पीछा बेहद आसानी से कर लिया। सार्थक और वैभव कंडपाल ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की साझेदारी की, जिसने मैच को पूरी तरह नॉर्थ दिल्ली के पक्ष में कर दिया। सार्थक के आउट होने के बाद वैभव ने मोर्चा संभाला और 43 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले वेस्ट दिल्ली लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 146⁄7 का स्कोर बनाया। टीम ने शुरुआती विकेट के लिए 36 रन जोड़े, लेकिन अंकित कुमार के 10 रन पर आउट होने के बाद विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। एक समय वेस्ट दिल्ली का स्कोर 59 रन पर पांच विकेट हो गया था। इसके बाद मयंक गुसैन और सोमबीर शेओकंद ने पारी को संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। शेओकंद ने 24 गेंदों में 34 रन बनाए, जबकि मयंक गुसैन 28 गेंदों में 42 रन बनाकर नाबाद रहे। नॉर्थ दिल्ली की ओर से मयंक डागर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट लिए।

मैच के बाद मयंक डागर ने टीम की जीत के साथ–साथ कप्तान सार्थक रंजन के प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, श्टचवुड, जिस तरह से हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है। हमने अंडर–16 और अंडर–19 स्तर से साथ में काफी क्रिकेट खेली है। मैंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ते देखा है। वह इस मौके के पूरी तरह हकदार हैं। डागर ने टीम के प्रदर्शन को लेकर कहा कि टीम का संयोजन अच्छा है और हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता है। उन्होंने कहा, श्यह हमारे लिए बहुत प्रभावशाली जीत थी। हमने गेंद से उन्हें रोका और फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया। हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। हर कोई अपनी भूमिका जानता है और टीम में यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उन्होंने आगे कहा कि टीम के शीर्ष क्रम के लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से मध्य और निचले क्रम को अब तक ज्यादा बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है। वेस्ट दिल्ली के खिलाफ मयंक डागर ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने के बाद उनका खास विकेट सेलिब्रेशन भी देखने को मिला। अपने सेलिब्रेशन के पीछे की वजह बताते हुए डागर ने कहा, यह वास्तव में पॉल पोग्बा से प्रेरित था। जब मैंने पहली बार फुटबॉल देखना शुरू किया था, तब मैंने उन्हें यह सेलिब्रेशन करते देखा और मुझे यह बहुत पसंद आया। इसलिए मैंने आज इसे करने का फैसला किया। सार्थक रंजन की लगातार शानदार पारियों ने निश्चित तौर पर क्व्स में उन्हें चर्चा का विषय बना दिया है। पिछले चार मैचों में 256 रन और लगातार बड़ी पारियां उनके मौजूदा फॉर्म को दिखाती हैं। हालांकि, टीम इंडिया में उनकी एंट्री को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी या चयन की घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल सार्थक का पूरा फोकस दिल्ली प्रीमियर लीग में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की कप्तानी और अपने शानदार बल्लेबाजी फॉर्म को जारी रखने पर है।

टेस्ट बल्लेबाजों में बाबर की टॉप-10 में वापसी, विंडीज को हराकर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को हुआ फायदा

दुबई,एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने ताजा आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर टॉप–10 में जगह बना ली है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन टेस्ट में पाकिस्तान की आठ विकेट से जीत के बाद बाबर को रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला। बाबर ने मुकाबले की पहली पारी में 88 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में वह 24 रन बनाकर नाबाद रहे। इस प्रदर्शन के बाद वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाबर सितंबर 2024 के बाद पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की टॉप–10 रैंकिंग में लौटे हैं। वह इससे पहले लगातार पांच साल तक इस एलीट ग्रुप में बने रहे थे। दिसंबर 2022 में वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिंग पर पहुंचे थे। पाकिस्तान के बल्लेबाजों में सबसे बड़ी छलांग अब्दुल्ला शफीक ने लगाई है। टीम में वापसी करने वाले नंबर–3 बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। शफीक ने पहली पारी में नाबाद 160 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 24 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस शानदार प्रदर्शन का सीधा असर उनकी रैंकिंग पर पड़ा। शफीक 25 पायदान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान की जीत का फायदा गेंदबाजों को भी मिला। ऑफ स्पिनर साजिद खान पांच स्थान ऊपर चढ़कर टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, मोहम्मद अली ने आठ स्थान की छलांग लगाकर 85वीं रैंकिंग हासिल की। बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान ने रैंकिंग अपडेट में सबसे बड़ी छलांग लगाने वाले खिलाड़ियों में जगह बनाई। वह 58 स्थान ऊपर चढ़कर 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ भी एक स्थान ऊपर बढ़कर 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने टेस्ट में तीन विकेट हासिल किए थे। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड का शीर्ष स्थान बरकरार है। वहीं, भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अब भी नंबर–1 पर हैं। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भारतीय स्टार रवींद्र जडेजा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच सीरीज के बाद ताजा वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज तीन पायदान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज में 32 और 71 रन की पारियां खेलीं। वहीं, हशमतुल्लाह शाहिदी चार स्थान ऊपर चढ़कर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने भी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत की है। आयरलैंड के खिलाफ लगातार प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन में से एक में उन्होंने छह विकेट भी लिए थे। आयरलैंड के मार्क अडायर ने भी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में वापसी करते हुए 17वां स्थान हासिल किया है।

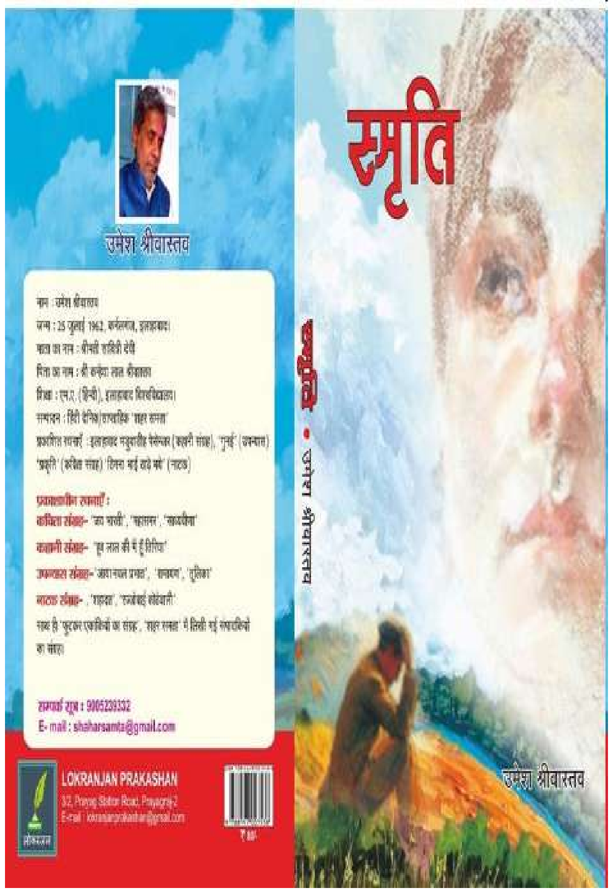

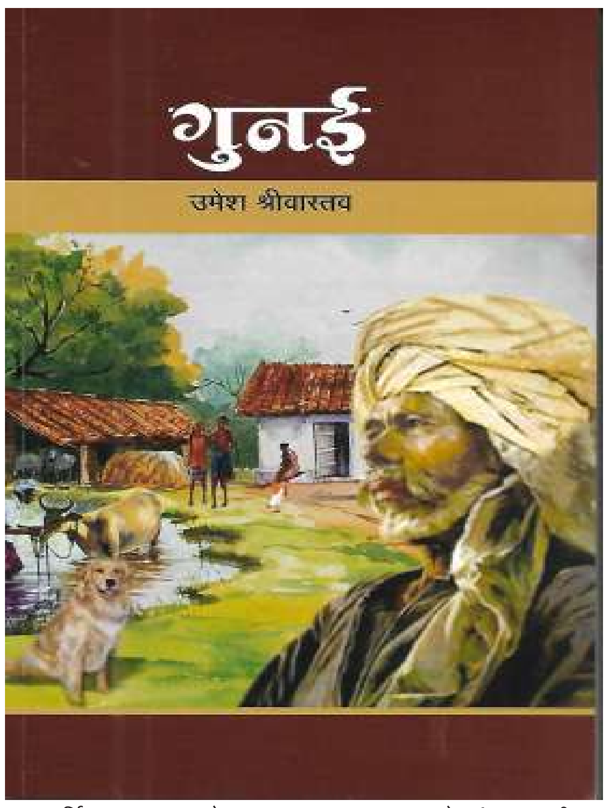

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

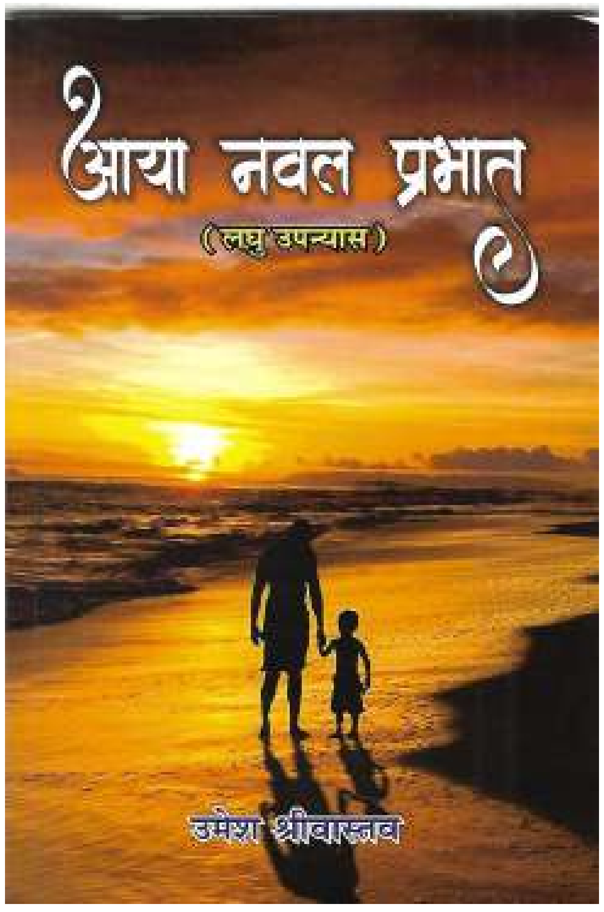

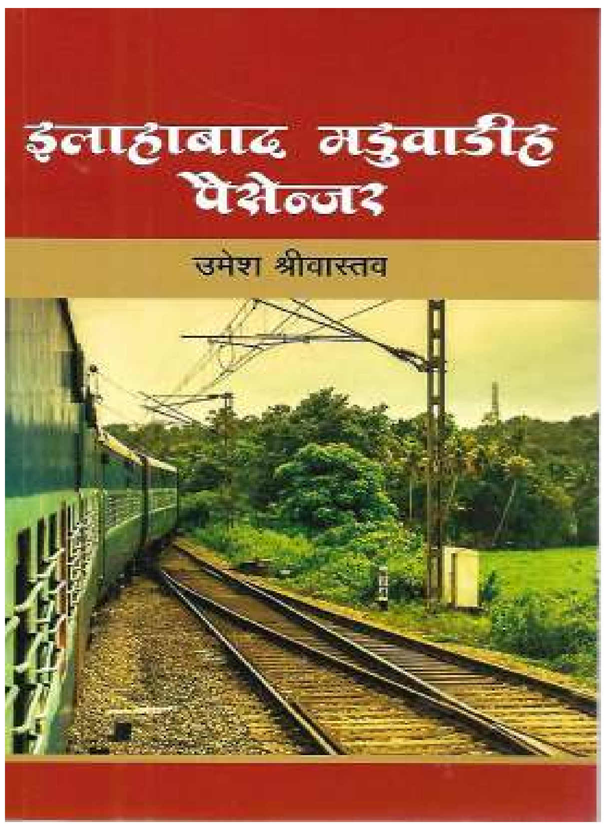

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

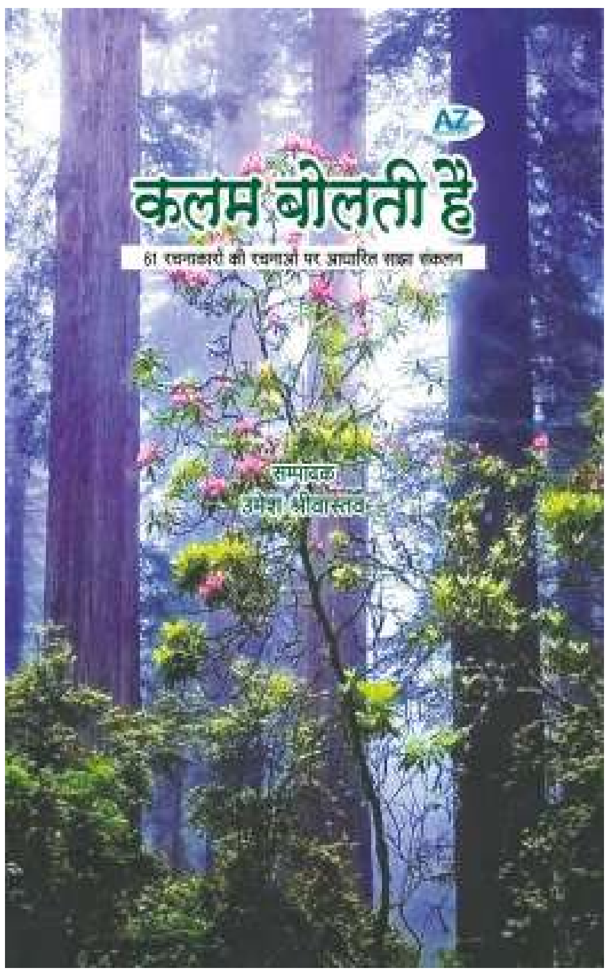

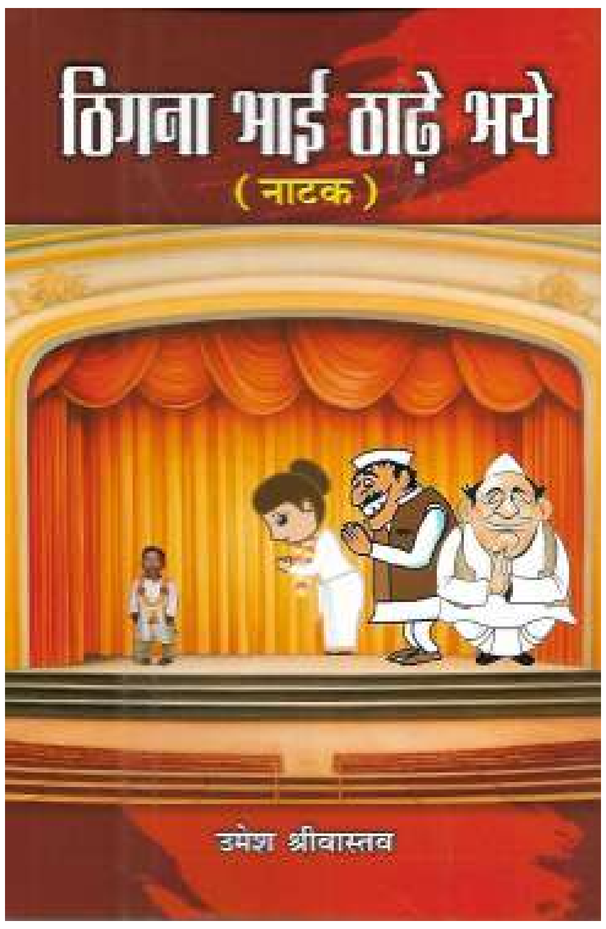

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

US में भारतीयों का सम्मान: दो और राज्यों ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस, महावाणिज्य दूतावास ने क्या कहा ?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क राज्यों ने 15 अगस्त 2026 को श्भारत स्वतंत्रता दिवसश घोषित किया है। दुनियाभर में उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह होने शुरू हो गए हैं। इसी बीच इन दोनों राज्यों ने यह घोषणा की है। इसके साथ ही भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना संबंधों को भी सम्मान दिया गया है। न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर कई पोस्ट कर इन घोषणाओं की जानकारी साझा की। दूतावास ने न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल को धन्यवाद दिया। उन्होंने 15 अगस्त 2026

को न्यू जर्सी में श्भारत स्वतंत्रता दिवसश घोषित किया है। इस घोषणा में न्यू जर्सी में रह रहे भारतीय मूल के अमेरिकियों के अहम योगदान को भी मान्यता दी गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शोध, तकनीक, कारोबार, सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में इस समुदाय के योगदान का जिक्र किया गया है। घोषणा में क्या कहा गया? घोषणा में भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ताना संबंधों और बढ़ती साझेदारी को भी रेखांकित किया गया है। इसमें शिक्षा, कारोबार, तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्रों में दोनों देशों के बढ़ते संबंधों का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया कि भारत का स्वतंत्रता दिवस उन अनगिनत लोगों के साहस, दूरदृष्टि और बलिदान को सम्मान देता है, जिनके शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन ने दुनियाभर की पीढ़ियों को प्रेरित किया। इस आंदोलन ने न्याय, समानता और मानव गरिमा के सार्वभौमिक सिद्धांतों को भी मजबूत किया।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने क्या कहा? महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि न्यूयॉर्क भी भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहा है। इस मौके पर भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत संबंधों को विशेष रूप से सम्मान दिया जा रहा है। दूतावास ने न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल का भी आभार जताया। उन्होंने 15 अगस्त 2026 को पूरे न्यूयॉर्क राज्य में भारत स्वतंत्रता दिवस घोषित किया है। दूतावास ने कहा कि यह घोषणा भारत की आजादी की यात्रा और भारत–अमेरिका के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाती है। इसमें न्यूयॉर्क में भारतीय–अमेरिकी समुदाय के अहम योगदान को भी मान्यता दी गई है। समुदाय ने राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और नागरिक जीवन में अहम योगदान दिया है। घोषणा में बताया गया कि भारत की आजादी की राह अहिंसक विरोध, सच्चाई, आत्म–अनुशासन और नैतिक साहस जैसे मूल्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता से बनी थी। इसमें यह भी कहा गया कि अमेरिका में हर साल भारत के स्वतंत्रता दिवस का आयोजन अब अलग–अलग संस्कृतियों के बीच सद्भाव की एक शानदार मिसाल बन चुका है। रंग–बिरंगे समारोहों में कई पीढ़ियों के लोग एक साथ शामिल होते हैं। ये भारत और अमेरिका की समृद्ध देशभक्ति की परंपराओं का गर्व के साथ सम्मान करते हैं। ये आयोजन दोनों लोकतांत्रिक देशों को जोड़ने वाले गहरे संबंधों का प्रतीक हैं।

संक्षिप्त

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 172 यात्रियों को बचाया गया, एक की मौत

एजेंसी/इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 172 लोगों को बचाया गया है। जिनमें 2 ऑस्ट्रेलियाई पर्यटक भी शामिल थे। वहीं, एक की मौत हो गई

है। मृतक लड़की इंडोनेशिया की थी। बचाव दल ने क्या कहा? मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, श्हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।श उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल–पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। यह घटना कब हुई? प्रांतीय राजधानी मताराम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4रु15 बजे लगी। उस समय श्पुत्री यास्मीनश जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। जहाज में कितने लोग मौजूद थे? हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं। इंडोनेशिया 17,000 से ज्यादा द्वीपों का एक समूह है, जहां यात्रा के लिए जहाज का इस्तेमाल आम है। यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। इसके लिए अक्सर सुरक्षा नियमों के कमजोर पालन को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना, लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा?

अदन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज

'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई। जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई? यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया। दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना? यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ–साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य समुद्री आवाजाही के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया? हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर भी हुआ था हमला? इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने दावा किया था कि समूह ने ड्रोन के जरिए रिफाइनरी को निशाना बनाया। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप', संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए ?

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ–साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं। क्या है श्डबल–टैपश हवाई हमला? आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते श्डबल–टैपश हवाई हमलों में आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं। पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल? आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ–साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा–निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं। बिना आवाज के कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर? रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। यूएन की जांच में कितने सबूत जुटाए गए? आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं। इन सबूतों का इस्तेमाल भविष्य में उन लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने में किया जा सकता है, जो इन अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर

तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। सरकारी वकील ने क्या बताया? न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है, वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। कितने साल की सजा हो सकती है? सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। वहीं, मनी लॉन्ड्रिंग करने की साजिश रचने पर अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। गुप्ता को 30 जून, 2023 को चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार किया गया था और एक साल बाद उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान, क्या कहा ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा, श्ईरान पर भरोसा करने

वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है। होर्मुज को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया?

ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे श्उड़ा दियाश जा सकता है। उन्होंने कहा, श्अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं। ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी–32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था। अचानक बदला प्लान रू ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी–32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

तिब्बत को लेकर अमेरिका का बड़ा फैसला: सीनेट में पेश किया नया विधेयक, क्या चीन को घेरने की है तैयारी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने तिब्बत के भविष्य को सुनिश्चित करने वाला अधिनियम (एफएटीए) पेश किया है। इसका उद्देश्य तिब्बती लोगों और उनके लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेतृत्व के साथ वाशिंगटन की भागीदारी को मजबूत करना है। इसके साथ ही उनके आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करना है। सीनेटर जेफ मर्कले (डी–ओआर) और जिम रिस्क (आर–आईडी) की ओर से पेश किए गए इस विधेयक को सीनेटर टिम केन (डी–वीए), टॉड यंग (आर–आईएन), जैकी रोसेन (डी–एनवी) और रिक स्कॉट (आर–एफएल) ने सह–प्रायोजित किया है। सीनेट का विधेयक तिब्बत के भविष्य को सुनिश्चित करने वाले अधिनियम का पूरक विधेयक है। कार्यकारी निदेशक ने विधेयक पर क्या कहा? तिब्बत के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान के कार्यकारी निदेशक रयान फायरसी ने विधेयक पेश किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कानून इस बात को मान्यता देता है कि तिब्बती लोगों को अपने भविष्य का निर्धारण करने में अपनी बात रखने का अधिकार होना चाहिए। इस विधेयक का मूलभूत सिद्धांत क्या है?

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत, 27 लोग अब भी लापता

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया। जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाइल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पॉटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।